हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 | अंक : 92 | जौनपुर, गुरुवार 28 दिसम्बर 2023 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य : 2 रूपया

पीएम बोले, लाखों लोगों तक पहुंची विकसित भारत संकल्प यात्रा

कहा, मोदी की गारंटी वाली गाड़ी जहां जा रही, लोगों का विश्वास बढ़ा रही

एजेन्सी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभुकों को वर्चुअली संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने कहा विकसित भारत संकल्प यात्रा के अद्भुत परिणाम आ रहे हैं। आज देश के करोड़ों लाभार्थी सरकारी योजनाओं को आगे बढ़ाने का माध्यम बन रहे हैं। 1 करोड़ लोगों को आयुष्मान कार्ड दिए जा चुके हैं। 11 करोड़ ग्रामीण परिवारों को नल से पानी का कनेक्शन उपलब्ध कराया गया है। उज्ज्वला गैस कनेक्शन के लिए 4.5 लाख नए लाभार्थियों ने आवेदन किया है। मोदी की गारंटी वाली गाड़ी जहां जा रही, लोगों का विश्वास बढ़ा रही है। कार्यक्रम में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा समेत कई मंत्री भी शामिल हुए। पीएम ने कहा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने गांवों में महिलाओं

को स्वरोजगार देने के लिए भारत सरकार बहुत बड़ा अभियान चला रही है। बीते वर्षों में देश में लगभग 10 करोड़ बहन–बेटियां और दीदियां स्वयं सहायता समूह से जुड़ी हैं। लोगों को नई ताकत मिल रही है और वे अपने लिए बेहतर भविष्य बनाने के लिए मेहनत कर रहे हैं। कम से कम 2 करोड़ दीदियों को लखपति दीदी बनाना लक्ष्य है। प्रधानमंत्री ने कहा कि मोदी की गारंटी वाली गाड़ी जहां भी जा रही है, वहां लोगों का विश्वास बढ़ा रही है। विकसित भारत संकल्प यात्रा शुरू होने के बाद उज्ज्वला गैस कनेक्शन के लिए 4.5 लाख नए लाभार्थियों ने आवेदन किया है। मौके पर ही 1 करोड़ आयुष्मान कार्ड दिए जा चुके हैं। मोदी ने कहा पहली बार देशव्यापी हेल्थ चेकअप हो रहा है। आयुष्मान भारत कार्ड के साथ–साथ आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट कार्ड भी तेजी से बनाए जा रहे हैं। विकसित भारत संकल्प यात्रा को शुरू हुए अभी 50 दिन भी नहीं हुए। लेकिन ये यात्रा अबतक लाखों गांवों में पहुंच चुकी है।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा है कि पिछले 4 सालों में 11 करोड़ से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल से पानी का कनेक्शन उपलब्ध कराया गया है, लेकिन कहानी यहां खत्म नहीं होनी चाहिए।नल के पानी के कनेक्शन के साथ–साथ उचित जल प्रबंधन और उत्कृष्ट जल गुणवत्ता को भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए। ग्रामीणों को आगे आकर ऐसी जिम्मेदारियां उठानी चाहिए। जब सरकार के प्रयासों को लोगों के समर्थन के साथ जोड़ा जाता है, तो परिणाम बहुत अच्छे होते हैं।उन्होंने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान हमें वोकल फॉर लोकल का संदेश गांव–गांव, गली–गली तक पहुंचाना है। भारत के युवाओं, किसानों का श्रम और भारत की मिट्टी की महक जिसमें हो, ऐसे सामान को खरीदें और उसका प्रचार–प्रसार करें। प्रधानमंत्री ने कहा है कि विकसित भारत के संकल्प से जुड़ने और देशवासियों को जोड़ने का ये अभियान लगातार विस्तार ले रहा है। दूर–दूर के गांवों तक पहुंच रहा है। महिला, युवा या फिर गांव के वरिष्ठ नागरिक सब आज मोदी की गारंटी की गाड़ी का इंतजार करते हैं और इस गाड़ी के कार्यक्रम का इंतजाम भी करते हैं।

राजौरी पहुंचे राजनाथ सिंह, बोले, शहीदों को भुलाया नहीं जा सकता, सरकार हर हाल में आपके साथ है

एजेन्सी

जम्मू। जम्मू कश्मीर के सीमावर्ती जिले पुंछ में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले में 5 सैनिकों के वीरगति को प्राप्त होने के मद्देनजर सुरक्षा स्थिति की समीक्षा करने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बुधवार को एक दिवसीय दौरे पर यहां पहुंचे। सेना की गाड़ियों पर हुए आतंकी हमले को लेकर सेना के साथ–साथ भारत सरकार भी अति गंभीर है। इस बीच केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज राजौरी पहुंचे, जहां उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठक की । सिंह का हवाई अड्डे पर उपराज्यपाल मनोज सिन्हा और उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग–इन–चीफ लेफ्टिनेंट जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने स्वागत किया। सिंह के साथ सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे भी मौजूद थे। इस दौरान राजनाथ ने सेना का हौसला बढ़ाते हुए कहा कि हर जवान परिवार की तरह है। शहीदों को भुलाया नहीं जा सकता। राजनाथ ने कहा, हर जवान हमारे लिए परिवार की तरह है। सरकार हर हाल में आपके साथ है। शहीदों को भुलाया नहीं जा सकता, लेकिन हमें और सहज रहने की जरूरत है। हमारे सेना पहले से काफी मजबूत है। हमें जंग के साथ देशवासियों का दिल जीतना भी जरूरी है। सिंह का कहना है, ष्मैं घायल हुए सेना के जवानों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। मैं आपको यह सुनिश्चित करना चाहता हूं कि घटना की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। हमारी सेना का प्रत्येक जवान महत्वपूर्ण है।पुंछ के बफलियाज में 21 दिसंबर को ढेरा की गली और धत्यार मोड़ के बीच घात लगाकर किए गए हमले के बाद क्षेत्र में आतंकवाद निरोधक अभियान जारी है। क्षेत्र में जारी आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान 22 दिसंबर को तीन लोग मृत पाये गये थे जिनकी उम्र 27 से 42 वर्ष के बीच थी । इसके बाद यह आरोप लगने से लोगों में आक्रोश फैल गया कि उन्हें आतंकवादी हमले के बाद पूछताछ के लिए सेना ने उठाया था। अधिकारियों ने बताया कि रक्षा मंत्री के राजौरी दौरे के दौरान मृतकों के परिजनों से भी मिलने की संभावना है। उन्होंने बताया कि राजौरी से लौटने पर सिंह यहां राजभवन में एक उच्च स्तरीय बैठक में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा कर सकते हैं। रक्षा मंत्री के दौरे के मद्देनजर पूरे जम्मू क्षेत्र में सुरक्षा कड़ी कर दी गई।

दिल्ली में घने कोहरे के कारण उड़ान, ट्रेन परिचालन प्रभावित, प्रदूषण की स्थिति गंभीर

एजेन्सी

नयी दिल्ली। दिल्ली समेत राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के कई हिस्सों में बुधवार को घना कोहरा छाया रहा, जिससे अनेक स्थानों पर दृश्यता घटकर 50 मीटर से भी कम रह गई। इस कारण उड़ानें, रेल और सड़क यातायात प्रभावित हुआ। कोहरे के कारण यातायात धीमा था और यात्रियों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में कठिनाई हुई। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने तीन–चार दिन उत्तर पश्चिम भारत और मध्य भारत के कुछ हिस्सों में घना से बहुत घना कोहरा जारी रहने की भविष्यवाणी की थी।भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) कोहरे की तीव्रता को चार प्रकारों में वर्गीकृत करता है–हल्का, मध्यम, घना और बहुत घना कोहरा। इस दौरान दृश्यता क्रमशः 999 मीटर से 500 मीटर, 499 मीटर से 200 मीटर, 199 मीटर से 50 मीटर और 50 मीटर से कम होती है। जैसे–जैसे दिन चढ़ेगा, कोहरा धीरे–धीरे छंटने का अनुमान है, जिससे दोपहर तक वातावरण साफ हो जाएगा।

घने कोहरे के कारण रेलवे परिचालन में सतर्कता बढ़ा दी गई है, जिससे ट्रेनों के प्रस्थान और

आगमन के समय पर असर पड़ा है। उड़ान कार्यक्रम भी प्रभावित हो रहे हैं, कई उड़ानों में देरी हो रही है और कुछ को संभवतः रद्द करना पड़ सकता है। सुबह 8 बजे तक जारी घने कोहरे के कारण 40 से अधिक उड़ानों में देरी हुई है। इसमें आठ अंतर्राष्ट्रीय प्रस्थान, चार अंतर्राष्ट्रीय आगमन, 22 घरेलू प्रस्थान और पांच घरेलू आगमन में व्यवधान शामिल हैं। दिल्ली हवाईअड्डे ने एक एडवाइजरी भी जारी की है, जिसमें लिखा है। दिल्ली हवाईअड्डे पर लैंडिंग और टेकऑफ जारी है, जो उड़ानें कैट–3 के अनुरूप नहीं हैं, वे प्रभावित हो सकती हैं। यात्रियों से अनुरोध है कि वे अद्यतन उड़ान जानकारी के लिए संबंधित एयरलाइन से संपर्क करें। रेलवे ने बताया कि 25 ट्रेनें अपने देरी से चल रही हैं, और देरी की सीमा कई मार्गों पर भिन्न–भिन्न है। पुरी–नयी दिल्ली पुरूषोत्तम एक्सप्रेस और हावड़ा–नयी दिल्ली पूर्वा एक्सप्रेस पांच घंटे की देरी से चल रही हैं। चेन्नई–नयी दिल्ली ग्रैंड ट्रंक एक्सप्रेस में सवार या उसमें सवार होने वाले यात्रियों से भी 4.40 घंटे की देरी के कारण अद्यतन कार्यक्रम की जांच करने का आग्रह किया गया था। देरी से चल रही 25 ट्रेनों में गोल्डन टेम्पल मेल भी अपने तय समय से 2.38 घंटे की देरी से चल रही है। दिल्ली की वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में बनी हुई है।

एमफिल के वर्ष 2024–25 में नहीं होंगे एडमिशन, डिग्री की मान्यता हुई रद्द

एजेन्सी

नयी दिल्ली। यदि आप एमफिल पाठ्यक्रम में दाखिला लेने जा रहे हैं या ऐसी कोई योजना बना रहे हैं तो आपको सतर्क होने की आवश्यकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि अब एमफिल की डिग्री की मान्यता समाप्त कर दी गई है। अब कोई भी भारतीय विश्वविद्यालय एमफिल की डिग्री या पाठ्यक्रम छात्रों को ऑफर नहीं कर सकेगा। यूजीसी चेयरमैन प्रोफेसर एम जगदीश कुमार के मुताबिक यूजीसी ने विश्वविद्यालयों को 2024–25 सेशन के लिए एडमिशन रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने के लिए कहा है। हालांकि पहले से एमफिल कर रहे छात्रों पर इसका प्रभाव नहीं पड़ेगा। यूजीसी ने देशभर के सभी छात्रों को भी इस संबंध में सतर्क रहने को कहा है। यूजीसी का कहना है कि छात्र किसी भी विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तावित एमफिल प्रोग्राम में दाखिला न लें। यूजीसी के मुताबिक एमफिल की डिग्री को मान्यता नहीं है। यूनिवर्सिटी ग्रांट्स कमीशन (यूजीसी) ने सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि विश्वविद्यालयों या फिर उनसे संबंधित कॉलेज एम. फिल न कराएं। हालांकि यूजीसी द्वारा जारी किए गए निर्देशों के बावजूद भी कुछ विश्वविद्यालय एमफिल जैसे प्रोग्राम उपलब्ध करा रहे हैं। इसी को देखते हुए यूजीसी ने अब छात्रों को भी सतर्क रहने को कहा है। छात्रों के बीच अभी भी असमंजस की स्थिति है और एमफिल पर यूजीसी की अधिसूचना के बाद, मौजूदा छात्रों के लिए इसकी वैधता पर प्रश्न आ रहे हैं। इस पर यूजीसी चेयरमैन का कहना है कि उच्च शिक्षा संस्थान केवल यूजीसी द्वारा निर्दिष्ट डिग्रियां ही प्रदान कर सकते हैं। यूजीसी (पीएचडी डिग्री प्रदान करने के लिए न्यूनतम मानक और प्रक्रिया) विनियम 7 नवंबर 2022 को अधिसूचित किए गए थे।

रुपया शुरुआती कारोबार में चार पैसे टूटकर 83.23 प्रति डॉलर पर

एजेन्सी

मुंबई। विदेशी कोषों की सतत निकासी और अन्य मुद्राओं की तुलना में डॉलर में मजबूती के रुख के बीच बुधवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया चार पैसे गिरकर 83.23 पर आ गया। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि सकारात्मक घरेलू शेयर बाजार धारणा को बढ़ावा देने में विफल रहा, क्योंकि निवेशक लाल सागर मार्ग के माध्यम से वैश्विक व्यापार में व्यवधान के डर से कच्चे तेल की अस्थिर कीमतों को लेकर चिंतित रहे। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.21 पर खुला और बाद में 83.23 तक फिसल गया। यह पिछले बंद स्तर की तुलना में चार पैसे की गिरावट है। मंगलवार को रुपया 83.19 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

1.38 लाख सैलरी और 15 हजार मिलेगा बोनस

इजराइल में काम करने वर्कर भेजेगी यूपी सरकार, पासपोर्ट नही तो बनवा सकते तत्काल

एजेन्सी

लखनऊ। निर्माण क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मेहरबान है। यूपी सरकार 16 हजार श्रमिकों को इजराइल भेजेगी। पहले चरण में 10 हजार काम करने के इच्छुक निर्माण श्रमिकों की लिस्ट तैयार है।इनको नववर्ष में जनवरी के अंत तक भेजा जाएगा। निर्माण श्रमिकों को कम से कम एक वर्ष अथवा 3 वर्ष तक सेवा अनिवार्य रूप से देनी होगी। कामगारों को अंग्रेजी भाषा बोलने, लिखने व समझने का ज्ञान होना चाहिए। श्रमिक और उसके परिवार के लोगों में इससे पूर्व इजरायल में काम न किया हो। कामगारों को एक लाख 38 हजार प्रतिमाह वेतन दिया जाएगा। 15 हजार रुपए प्रतिमाह बोनस व फंड भी मिलेगा। निर्माण श्रमिक की आयु 21 से 45 वर्ष के बीच होनी चाहिए। आने जाने का किराया नहीं मिलेगा। पासपोर्ट न होने पर तत्काल बनवा सकते है।श्रम विभाग के जरिए इजरायल में जाकर कामगारों को अच्छी सैलरी पाने के लिए आवेदन मांगें गए हैं। निर्माण श्रमिकों को एनएसडीसी यानि नेशनल स्किल डवलपमेंट कारपोरेशन इंटरनेशनल के जरिए भेजा जाएगा। इच्छुक लोगों के पास काम का अनुभव होने के साथ हाईस्कूल तक शिक्षा जरूरी है जबकि आयु 25 से 45 साल के बीच हो। इजराइल जाने वाले निर्माण श्रमिकों को हर माह 6100 इजराइली न्यू शेकेल करेंसी मिलेगी जो भारतीय मुद्रा में करीब 1 लाख 38 हजार रुपये होगी। जाने वालों को अपने रहने और चिकित्सा बीमा का पैसा खुद देना होगा।

सोने में तेजी, चांदी भी महंगी

एजेन्सी

नयी दिल्ली। सोने–चांदी के वायदा भाव में तेजी देखी जा रही है। दोनों के वायदा भाव आज तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 63,100 रुपए और चांदी के वायदा भाव 75,600 रुपए के करीब कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने–चांदी के वायदा भाव की शुरुआत नरम रही लेकिन बाद में इनके भाव चढ़ने लगे। सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (मैक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रैक्ट आज 195 रुपए की तेजी के साथ 63,149 रुपए के भाव पर खुला। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रैक्ट 162 रुपए की तेजी के साथ 63,116 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 63,155 रुपए के भाव पर दिन का उच्च स्तर और 63,100 रुपए के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। इस महीने सोने के वायदा भाव ने 64,063 रुपए के भाव पर सर्वोच्च स्तर छुआ था।

प्रधानमंत्री के अयोध्या आगमन के मद्देनजर भारत-नेपाल सीमा पर बढ़ी निगरानी

एजेन्सी

गोरखपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अयोध्या आगमन कार्यक्रम को देखते हुए भारत–नेपाल सीमा पर राज्य पुलिस और सशस्त्र सीमा बल ने खुफिया एजेंसियों के साथ मिलकर चौकसी बढ़ा दी है। अधिकारियों ने कहा कि 30 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अयोध्या में श्रीराम हवाईअड्डे के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होंगे जिसे ध्यान में रखते हुए भारत–नेपाल सीमा पर चौकसी बढ़ा दी गई है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में हवाईअड्डे के उद्घाटन के अलावा गणतंत्र दिवस और 22 जनवरी, 2024 को भगवान राम के प्राण प्रतिष्ठा समारोह एवं मंदिर के उद्घाटन को भी ध्यान में रखकर निगरानी बढ़ाई गई है। सशस्त्र सीमा बल, गोरखपुर के उप महानिरीक्षक अखिलेश्वर सिंह ने कहा कि क्षेत्र में अवांछित तत्वों का आवागमन रोकने के लिए सुरक्षा एजेंसियों को किसी भी व्यक्ति को सीमा पार करने की अनुमति देने से पूर्व उसकी पहचान सुनिश्चित करने को कहा गया है। उन्होंने बताया कि मुख्य मार्गों के अलावा, सशस्त्र सीमा बल की चौकियों पर कैमरे लगाए गए हैं। खोजी श्वान दस्तों और महिला शाखा के एक प्लाटून की भी तैनाती की गई है। भारत–नेपाल सीमा पर सोनौली और थूथीबारी चौकियों पर मेटल डिकेक्टर लगाए गए हैं। सिंह ने कहा कि इसके अलावा, भारत–नेपाल सीमा पुलिस, एलआईयू और अन्य खुफिया एजेंसियों को भी सीमा पर चौकस रहने के लिए आदेश जारी किए गए हैं। खुफिया इकाइयों को सीमा से सटे धार्मिक स्थानों पर पैनी नजर रखने को कहा गया है। महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, श्रावस्ती और बलरामपुर जिलों में पुलिस और सशस्त्र सीमा बल को हाई अलर्ट पर रखा गया है।

राहुल गांधी ने झज्जर में अखाड़े का किया दौरा, पहलवानों से की मुलाकात

एजेन्सी

झज्जर। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार की सुबह अचानक हरियाणा के झज्जर जिले में एक अखाड़े का दौरा किया और बजरंग पुनिया समेत पहलवानों के एक समूह से मुलाकात की। गांधी की पहलवानों से मुलाकात भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) को लेकर जारी विवाद की पृष्ठभूमि में हुई है। कांग्रेस की हरियाणा इकाई के एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता के अनुसार, गांधी तड़के छारा गांव में 'वीरेंद्र अखाड़ाश पहुंचे और बाद में उन्होंने पुनिया सहित अन्य पहलवानों से बातचीत की। राहुल गांधी कई घंटे तक अखाड़े में रूके। गांधी के जाने के बाद पुनिया ने संवाददाताओं से कहा कि कांग्रेस नेता ने अखाड़े में पहलवानों की दिनचर्या देखी और उनसे बातचीत की। यह पूछे जाने पर कि क्या गांधी से बातचीत के दौरान डब्ल्यूएफआई का मुद्दा भी उठा, एक अन्य पहलवान ने कहा कि उन्होंने कांग्रेस नेता को बताया कि पहलवान काफी मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं। एक सवाल के जवाब में उन्होंने गांधी की यात्रा को ''औचक बताया और कहा कि अखाड़े के पहलवानों को इसके बारे में जानकारी नहीं थी। पहलवान ने संवाददाताओं से कहा, ''वह (राहुल) सुबह 6.15 बजे अखाड़ा पहुंचे। उन्होंने हमसे हमारी दिनचर्या के बारे में पूछा, देखा कि हम कैसे व्यायाम करते हैं और उन्होंने भी कुछ व्यायाम किए। उन्होंने कहा, ''हमें खुशी है कि उन्हें कुश्ती के बारे में काफी ज्ञान है।

उन्होंने कहा कि गांधी ने दूध, बाजरे की रोटी और साग खाया। गांधी को स्थानीय रूप से उगाई गई कुछ सब्जियां दी गईं, जिन्हें वह अपने साथ ले गए। दो बार की विश्व चौंपियनशिप पदक विजेता विनेश फोगाट ने मंगलवार को अपना खेल रत्न और अर्जुन पुरस्कार प्रधानमंत्री को लौटाने का फैसला किया और कहा कि जब पहलवान न्याय के लिए संघर्ष कर रहे हैं तो ऐसे सम्मान निरर्थक हो गए हैं। फोगाट का यह फैसला ओलंपिक पदक विजेता पुनिया और खिलाड़ी वीरेंद्र सिंह यादव द्वारा अपने पद्म श्री पुरस्कार लौटाने और रियो खेलों की कांस्य पदक विजेता साक्षी मलिक द्वारा 21 दिसंबर को डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष के रूप में संजय सिंह के चुने जाने के बाद खेल से संन्यास लेने की घोषणा के कुछ दिनों बाद आया है। संजय सिंह, बृजभूषण सिंह शरण के करीबी सहयोगी बताए जाते हैं और पहलवान नहीं चाहते थे कि भाजपा सांसद का कोई करीबी डब्ल्यूएफआई में पदाधिकारी बने। खेल मंत्रालय ने नवनिर्वाचित डब्ल्यूएफआई को निलंबित कर दिया है और आईओए को खेल निकाय के मामलों के प्रबंधन के लिए एक तदर्थ समिति गठित करने के लिए कहा था। फोगाट, पुनिया और मलिक ने बृजभूषण पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था। खिलाड़ियों ने बृजभूषण के खिलाफ इस साल की शुरुआत में जंतर–मंतर पर कई दिनों तक विरोध प्रदर्शन किया था। इस मामले की सुनवाई दिल्ली की एक अदालत में जारी है। मई में, राहुल गांधी ने ट्रक चालकों की समस्याओं को सुनने के लिए दिल्ली से चंडीगढ़ तक एक ट्रक में यात्रा की थी। बता दें कि खिलाड़ियों के साथ इस मुलाकात में राहुल गाँधी उनके साथ कुश्ती के दांव–पेच भी सीखे, जिसकी झलक उन्होंने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट Û पर शेयर कर दिखाई है। इसके साथ ही उन्होंने अपने पोस्ट कर लिखा कि, वर्षों की जीतोड़ मेहनत, धैर्य एवं अप्रतिम अनुशासन के साथ अपने खून और पसीने से मिट्टी को सींच कर एक खिलाड़ी अपने देश के लिए मेडल लाता है। आज झज्जर के छारा गांव में भाई विरेंद्र आर्य के अखाड़े पहुंच कर ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया समेत अन्य पहलवान भाइयों के साथ चर्चा की।

सम्पादकीय

सैलाब के सवाल

यह अच्छी बात है कि साल के समापन और नये साल के स्वागत से जुड़े आयोजनों व पर्यटन के लिये हिमाचल की वादियों में सैलानियों का सैलाब उमड़ा है। यह सुखद है कि मानसून की अतिवृष्टि से आहत हिमाचल में अरसे बाद पर्यटन की रंगत नजर आ रही है। होटल–गेस्ट हाउस फुल हैं। अटल टनल से लेकर सड़कों तक में कारों के काफिले ही काफिले नजर आ रहे हैं। निश्चित रूप से हिमाचल की आर्थिकी के लिये यह शुभ संकेत हैं। लेकिन इसके बावजूद हमें पहले पर्यटन के अनुरूप ढांचा भी तैयार करना है। यह अच्छी बात नहीं है कि शिमला व कुल्लू मनाली की तरफ जाने वाले हाईवे पर कारों के कई किलोमीटर लंबे जाम नजर आ रहे हैं। यह तार्किक है कि जब देश के विभिन्न भागों से लोग नया साल का जश्न मनाने पहाड़ों की तरफ आ रहे हैं तो उनकी सुख–सुविधा का ख्याल रखना भी जरूरी है। जिन स्थानों पर अक्सर जाम लगता है, वहां ऐसी वैकल्पिक व्यवस्था होनी चाहिए जो पर्यटकों के लिये राहतकारी हो। आसपास जरूरी चीजों की दुकानों,पानी और प्रसाधन आदि की व्यवस्था होनी चाहिए। कहीं न कहीं वाहनों के पंजीकरण और सड़कों पर वाहनों के दबाव को नियंत्रित करने का प्रयास किया जाना चाहिए। ऑनलाइन पंजीकरण के जरिये वाहनों का आगमन नियंत्रित किया जा सकता है। पर्यटन के सीजन में शासन–प्रशासन को भी पर्यटकों की सुख–सुविधा का विशेष ख्याल रखना चाहिए। प्रयास हो कि पर्यटकों से वस्तुओं के जायज दाम लिए जाएं। अक्सर देखा जाता है कि पीक सीजन में होटल मालिक पर्यटकों से मनमाने किराये वसूलते हैं। सामान के दाम भी महंगे हो जाते हैं। प्रयास हो कि बाहर से आने वाला पर्यटक राज्य से अच्छा अनुभव लेकर जाए। इसके अलावा यह भी है कि राज्य का पर्यटन विभाग राज्य के नये पर्यटक स्थलों को प्रचारित–प्रसारित करे। जिससे परंपरागत पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों का दबाव कम हो सके। साथ ही पहले ही आबादी के बोझ से चरमरा रहे हिल स्टेशनों को कुछ राहत मिल सके।लेकिन वहीं सरकार को हाल के मानसून में अतिवृष्टि से बाढ़ व भूस्खलन की त्रासदी को याद रखना चाहिए। हमें पर्यटन को तो बढ़ावा देना चाहिए लेकिन पहाड़ के पर्यावरण को भी बचाने का प्रयास करना चाहिए। हमें तात्कालिक आर्थिक हितों के बजाय पहाड़ों के दूरगामी भविष्य को ध्यान में रखना चाहिए। पहाड़ के साथ सहजता व सामंजस्य का व्यवहार अपरिहार्य है। दरअसल, हिमालय के पहाड़ अपेक्षाकृत नये हैं,जिन पर आधुनिक विकास व निर्माण का ज्यादा बोझ नहीं डाला जा सकता। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि तमाम पर्यावरणवादी मानते रहे हैं कि ये पहाड़ फोर–लेन के लिये नहीं बने हैं। सड़कों के विस्तार के लिये जहां पहाड़ों की जड़ों को खोदा गया,वहां इस बार भूस्खलन का ज्यादा प्रकोप देखा गया। हमें यह भी ध्यान रखना चाहिए कि पहाड़ हमारी विलासिता के लिये नहीं बने हैं। ये अध्यात्म के स्थल भी हैं और आस्था के केंद्र भी हैं। पर्यटक पहाड़ों पर सिर्फ मौज–मस्ती के लिये न आयें। प्रकृति के सौंदर्य का भी संरक्षण जरूरी है। वह तभी संभव है जब हमारा व्यवहार पहाड़ की संस्कृति के अनुरूप होगा। इसके लिये जरूरी है कि हम पर्यावरण व प्रकृति की गरिमा के अनुरूप व्यवहार करें। आज जब पूरा विश्व ग्लोबल वार्मिंग के घातक प्रभावों से जूझ रहा है तो देश के पर्यावरण और मौसम को प्रभावित करने वाले पहाड़ों के परिवेश का संरक्षण बेहद जरूरी है। हाल के दिनों में जोशीमठ के भूस्खलन के बाद यह बात सामने आई है कि पहाड़ जनसंख्या के बोझ से चरमरा रहे हैं। हिमाचल के कई जिले इस दृष्टि से संवेदनशील पाये गये हैं। नीति–नियंताओं को विकास व पर्यटन की दृष्टि से पहाड़ों के साथ संवेदनशील व्यवहार करना चाहिए। हमें न केवल वर्तमान को सुखदायी बनाना है बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिये पहाड़ों का पर्यावरण संरक्षित भी करना है। पहाड़ सुकून के लिये हैं, हमारी भोग–विलासिता के लिये नहीं है। यह बात सरकारों को भी ध्यान में रखनी है और पर्यटकों का आचरण भी इसके ही अनुरूप होना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष :– प्रतिभाओं के बावजूद हीनभाव प्रतिभाओं के लाभ से वंचित करेगा। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें। सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी।

बृषभ :– किसी कार्य में सफलता से उत्साह में वृद्धि होगी। भौतिक सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। परिश्रम से आर्थिक लाभ मिलेगा।

मिथुन :– नीरस स्वभाववश रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में असमर्थ होंगे। सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरुचि का शिकार होगा। समस्याओं के समाधान से उत्साह में वृद्धि होगी।

कर्क :– काफी दिनों से अवरोधित कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने के आसार बनेंगे। काफी दिनों से प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। शिक्षा की दिशा में किया गया प्रयत्न सार्थक होगा।

सिंह :– अच्छे कायरें से परिजनो के दिल में जगह बनायें। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। महत्वपूर्ण कायरें में लापरवाही न करें। जीवनसाथी के स्वास्य के प्रति सचेत रहें।

कन्या :– कर्जदारों से मन परेशान होगा। नये क्षेत्रों में प्रयास से लाभ संभव। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ होगा। नये संबंधों के सहयोग से आर्थिक कठिनाइयां दूर होंगी। प्रणय संबंध के प्रति प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

तुला :– भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक होगी। अतः व्यावहारिक बने। भविष्य संबंधी कुछ चिंतायें मन पर प्रभावी होंगी। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न बरतें। कल्पनाओं में जीना छोड़े।

वृश्चिक :– किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। सकारात्मक सोच अपनाते हुए जीवन को सही दिशा की ओर केंद्रित करें। परिजनो के अनुकूल चलने की चेष्ठा करें।

धनु :– संवेदनील शरीर ग्रहों की प्रतिकूलता से बीमार पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव।

मकर :– नयी घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। प्रयासरत कोई महत्वपूर्ण कार्य हल होने से मन प्रसन्न होगा। नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। घर में खुशहाल वातावरण रहेगा।

कुंभः– कुछ व्यासायिक कारणों से घर से दूर रहना पड़ सकता है। परिजनों की सुख–सुविधा के प्रति मन चिंतित होगा। मस्त–मौला मन ब्यर्थ के कायरे में समय जाया कर महत्वपूर्ण कायरे के प्रति लापरवाह होगा।

मीनः– थोड़ा संयमी व धैर्यवान बने। भाग्य से प्राप्त अच्छी–बुरी सभी स्थितियों के मध्य समझौतावादी रवैया आपनायें। कुछ नई व्यस्तताएं सामने आएंगी। महत्वपूर्ण दायित्वों की पूर्ति हेतु प्रयत्न तीव्र होगा।

संसद के सवाल और विपक्ष का दायित्व

एनडीए सरकार के दूसरे कार्यकाल का अंतिम शीतकालीन सत्र कई सुलगते सवालों को छोड़ गया है। इन सवालों के जवाब अभी गंभीरता से नहीं तलाशे गए, तो फिर देश में लोकतंत्र और संसदीय परंपराओं को उखड़ने से रोक पाना कठिन हो जाएगा। संसद पर हमला, 146 सांसदों के निलंबन के बाद अब ये तथ्य भी सामने आया है कि संसद में दोनों सदनों में विपक्ष के सांसदों द्वारा पूछे गए 264 सवालों को प्रश्नों की सूची से हटा दिया गया है। ये तमाम बातें भारत के संसदीय इतिहास में पहली बार ही हो रही हैं। 76 साल की आजादी और लोकतंत्र के दीर्घ अनुभव के बाद संसदीय कामकाज में परिपक्वता, धैर्य और संयम दिखाई देने चाहिए थे, लेकिन फिलहाल लग रहा है कि हमें संसदीय तकाजे का ककहरा फिर से सीखना पड़ेगा। गौरतलब है कि इस शीतकालीन सत्र में संसद पर एक और हमले की कोशिश की गई थी। एकबारगी यह हमला मौजूदा सरकार की नीतियों और फैसलों के खिलाफ दिखाई देता है। लेकिन अगर देश के एक तबके में भाजपा के शासन को लेकर इतनी अधिक नाराजगी व्याप्त है कि उसके लिए संसद पर हमले का दुस्साहस किया जाए, तो फिर यह नाराजगी चुनावी नतीजों में क्यों नहीं दिखाई देती। क्या संसद पर हमला करने वाले जानते नहीं थे कि इसका अंजाम क्या होने वाला है। क्या कानून की कड़ाई का अंदाज होने के बावजूद उन्होंने इस जोखिम को उठाया और अपना भविष्य, जीवन सब कुछ खतरे में डाला। कुछ लोगों का पूरे योजनाबद्ध तरीके से संसद के बाहर और भीतर आकर विरोध दिखाना किसी नजरिए से मामूली घटना नहीं है, लेकिन इस पर सरकार का रवैया देखकर यह लग ही नहीं रहा कि उसे किसी बात की चिंता हुई हो। क्या भाजपा अपने बहुमत को कवच इस कदर अभेद्य मानने लगी है कि उसे इस बात से भी फर्क नहीं पड़ रहा कि दो लोग संसद के भीतर आकर धुआं छोड़ गए। संसद पर हमले को लेकर भाजपा सरकार का रवैया जितना आश्चर्यजनक रहा, उससे कहीं अधिक आश्चर्य यह देखकर हुआ कि गृहमंत्री से सदन में जवाब की मांग कर रहे विपक्ष के 146 सांसदों को दो–तीन दिन के भीतर निलंबित कर दिया गया। सदन पर हुए हमले का जवाब अगर सदन में नहीं मांगा जाएगा, तो फिर उसके लिए कौन सी अन्य जगह उपयक्त है, यह भी भाजपा को बता देना चाहिए। लगभग डेढ़ सौ सांसदों का निलंबन काफी नहीं था कि संसद के दोनों सदनों की सूची से उन 264

सवालों को भी हटा दिया गया, जो विपक्षी सांसदों ने पूछे थे। सरकार से पूछा जाना चाहिए कि क्या इन सवालों से भी सदन की कार्रवाई में व्यवधान पड़ रहा था। उल्लेखनीय है कि सांसदों के निलंबन के बाद लोकसभा सचिवालय द्वारा जारी एक परिपत्र में कहा गया है कि निलंबन अवधि के दौरान सांसदों के नाम के तहत सूचीबद्ध किसी भी कार्य या उनके द्वारा पेश किए गए नोटिस पर विचार नहीं किया जाएगा। संसद के प्रश्नकाल और शून्यकाल सांसदों को प्रश्न पूछने और सरकार के खिलाफ विचार व्यक्त करने की अनुमति देते हैं। इससे पहले भी विभिन्न सत्रों में सांसदों के निलंबन होते रहे हैं, लेकिन ऐसा शायद ही कभी हुआ हो कि निलंबन के साथ ही सांसदों के सवाल उठाने के संवैधानिक अधिकार को भी खत्म कर दिया गया है। ऐसा नहीं है कि खारिज किए गए सभी 264 सवाल संसद की सुरक्षा के मसले से ही जुड़े थे, अगर जुड़े होते तब भी सरकार को इनका जवाब देना चाहिए था। लेकिन ये सवाल जनता के हित से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर आधारित थे। जैसे राजद सांसद मनोज झा ने शिक्षा मंत्रालय से दिल्ली विश्वविद्यालय में शिक्षकों के श्बड़े पैमाने पर हटानेय संबंधी सवाल किए थे। माकपा के सांसद जॉन ब्रिटास ने समान नागरिक संहिता के कार्यान्वयन पर कानून मंत्रालय से जानकारी मांगी थी। मगर अब इनका जवाब देने से मौजूदा सरकार बच गई है। सांसदों के निलंबन की कार्रवाई तो बाद में हुई, लेकिन संसद के नियमानुसार ये सवाल लगभग दो सप्ताह पहले ही लिखित में दिए जा चुके थे। फिर इन्हें सूची से हटाना क्या न्यायोचित कहा जा सकता है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने जंतर–मंतर पर किए गए प्रदर्शन के दौरान कहा था कि 146 सांसदों को निलंबित करके लगभग 60 प्रतिशत जनता की आवाज को खामोश कर दिया गया है। संसद की सूची से सवालों को हटाना इस आरोप की ही पुष्टि करता है। शीतकालीन सत्र में उठे इन सुलगते सवालों के जवाब तलाशना इसलिए जरूरी है क्योंकि दांव पर जनता और देश का हित जुड़ा है। अब प्रश्न ये है कि अगर कार्यपालिका, विधायिका, न्यायपालिका और इनका संगी बन चुका मीडिया भी अगर इन सवालों से मुंह मोड़ ले तो फिर विपक्ष को क्या करना चाहिए। क्या विपक्ष लोकतंत्र बचाने के लिए केवल जुबानी जमा–खर्च करता रहेगा या राहुल गांधी जैसे दो–चार लोगों पर सड़कों पर उतरने का जिम्मा छोड़ देगा। अगर विपक्ष सड़क पर आता भी है तो क्या वह जनता तक अपनी बात पहुंचाने की तैयारी कर चुका है, या अब भी वो इंतजार में बैठा है कि कोई और आकर उसके हिस्से के काम करेगा। कायदे से अब विपक्षी सांसदों को अपने–अपने संसदीय क्षेत्र जाकर जनता से जुड़ने का काम शुरु कर देना चाहिए। संसद के पटल से जिन सवालों को हटा दिया गया है, उन्हें जनता के बीच जाकर उठाना चाहिए, वहां तो निलंबन की कार्रवाई का कोई परिपत्र असरकारी नहीं रहेगा। विपक्षी नेताओं को भाजपा के सांसदों और मंत्रियों के क्षेत्रों में जाकर उन सवालों को उठाना चाहिए, जिनके जवाब संसद में दिए जाने चाहिए थे, मगर नहीं दिए गए। विपक्ष जब तक अपने अस्तित्व का अहसास जनता को नहीं कराएगा, तब तक सारे विरोध–प्रदर्शन और सवाल बेकार रहेंगे।

अपने ही समर्थकों को दिग्भ्रमित करता मोदी का ईसाई-प्रेम

डॉ. दीपक पाचपोर

हर साल पड़ने वाला क्रिसमस इस मायने में थोड़ा अलग था। वह ऐसे कि सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जीवन का यह अब तक गोपन रहा पक्ष सामने आया कि ईसाई समुदाय से उनके बहुत आत्मीय सम्बन्ध रहे हैं। मोदी के जीवन में इतनी विविधता है कि उसके

सारे आयामों को एकमुश्त उद्घाटित नहीं किया जा सकता। इसलिये वे किश्तों में, ठहर–ठहरकर और माकूल वक्त पर सही खुलासे कर सभी को चमत्कृत करते रहते हैं। इसी क्रम में मसीही समुदाय के एक समारोह में शिरकत करने पहुंचे प्रधानमंत्री ने अपने जीवन का एक महत्वपूर्ण अध्याय खोलते हुए बतलाया कि श्गुजरात के मुख्यमंत्री रहने के दौरान वे ईसाई धर्मगुरुओं से सतत मिलते रहते थे। जहां से वे चुनाव लड़ते थे, वहां बड़ी संख्या में ईसाई रहते हैं।श कुछ साल पहले पोप से मिलने को अपना श्सौभाग्यश बतलाते हुए उन्होंने यह भी कहा कि वह उनके लिये यादगार पल था। क्रिसमस में उपहार देने की परम्परा की उन्होंने प्रशंसा करते हुए कहा कि श्सभी को देखना चाहिये कि आने वाली पीढ़ी को कैसे बेहतर धरती का उपहार दे सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि श्पवित्र बाइबिल बतलाती है कि भगवान ने हमें जो कुछ दिया है वह दूसरों की सेवा के लिये इस्तेमाल करना चाहिये।श मोदी ने इसे ही श्सेवा परमो धर्मश से निरूपित किया। मोदी ने दर्शन के स्तर पर जाकर कहा कि श्यह संयोग की बात है कि सभी धार्मिक ग्रंथ परम सत्य को जानना चाहते हैं। श्सभी धर्मों के समन्वयश के माध्यम से उन्होंने 21वीं सदी के भारत को नयी ऊंचाइयों तक ले जाने का मार्ग भी बतलायाश। उन्होंने भरोसा दिलाया कि उनकी सरकार अपनी योजनाओं के लाभों को सभी वर्गों तक पहुंचाने के लिये कटिबद्ध है जिनमें ईसाई समुदाय के गरीब व वंचित लोग भी शामिल हैं।

मोदी का यह बयान ईसाइयों को लेकर सम्भवतरू पहला है। पिछले 10 वर्ष प्रधानमंत्री के रूप में और उसके पहले तीन बार गुजरात के सीएम रहने के दौरान उन्होंने इस अल्पसंख्यक समुदाय के साथ अपनत्व की बातें लोगों को नहीं बतलाई थीं। इसलिये माना जा सकता है कि उनका ईसाइयों से यह पुराना रिश्ता वैसा ही है जिस प्रकार का कई अनेक समुदायों, प्रदेशों, क्षेत्रों से रहता आया है। यहां तक कि मुसलमानों के साथ भी। वे बतला चुके हैं कि उनके एक मित्र अब्बास उनके घर में रहते थे जिन्हें उनकी दिवंगत माताजी पकवान बनाकर खिलाती थीं। हालांकि इस अब्बास मियां को दुनिया वैसी ही ढूंढ रही है जिस प्रकार से लोग वडनगर रेलवे स्टेशन पर उनके हाथ से चाय पीने वालों को खोज रहे हैं या उनके साथ एंटायर पोलिटिकल साइंस में एमए करने वाले सहपाठियों और उन्हें पढ़ाने वाले शिक्षकों को। अब दिग्भ्रमित मोदी समर्थकों और आईटी सेल के कर्मचारियों के लिये नया टास्क है कि वे मोदी की उन तस्वीरों को निकाल लायें जिनमें वे मुख्यमंत्री रहने के दौरान ईसाई धर्मगुरुओं या मसीहियों से चर्चा कर रहे हैं। जाहिर है कि फोटोशॉप तकनीक से ही इसका जुगाड़ हो सकेगा। खैर, मुद्दा यह है कि अगर उनके अनुभव इस छोटे से परन्तु शांतिप्रिय समुदाय के साथ इतने आत्मीय रहे हैं तो वे उस विचारधारा के साथ कैसे जुड़ गये जो इनके प्रति गहन नफरत का भाव रखती है? राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से ज्यादातर वे ही लोग जुड़ते हैं जो अल्पसंख्यकों व ईसाइयों के प्रति बेतरह बैर भाव रखते हैं। मोदी का जुड़ाव भी सम्भवतरू इसी आधार पर हुआ होगा। एक कार्यकर्ता के रूप में हो सकता है कि उनकी सीमाएं रही हों लेकिन पहले सीएम और बाद में देश के सबसे ताकतवर पीएम के रूप में वे ईसाइयों के प्रति घृणा भाव रखने वाले अपने कार्यकर्ताओं व समर्थकों का हृदय परिवर्तन क्यों नहीं कर रहे हैं? आज तो पूरा संगठन, यहां तक कि आरएसएस भी उनकी मुठ्ठी में है। पिछले करीब सौ वर्षों से संघ इस समुदाय के लोगों पर हिन्दू संस्कृति नष्ट करने का आरोप लगाता आया है। जितनी भी जगहों पर इस समुदाय के लोगों पर अत्याचार हुए हैं, ज्यादातर में इन्हीं संगठनों के लोगों की भूमिका रही है, फिर वह चाहे ग्राहम स्टेंस को उनके बच्चों समेत जला देना हो या फिर चर्चों में तोड़–फोड़ करना या उन्हें जलाना हो। संघ–भाजपा के लोगों की दृढ़ मान्यता है कि ये लोग हिन्दुओं का धर्म परिवर्तन कराते हैं। मोदी अपने लोगों को यह समझाने में सक्षम हैं कि इस समुदाय के लोगों के प्रति उन्हें भाई–चारा बनाकर रखना चाहिये। हाल के वर्षों में देश भर के सैकड़ों चर्चों को नष्ट किया गया है। उनके अनेक धर्मगुरुओं पर हमले हुए हैं। कई स्थानों पर तो कई पीढ़ी पहले ईसाई बन गये लोगों को वापस हिन्दू धर्म में लाया जा रहा है। मणिपुर की घटना को भला कौन भूल सकता है जिसमें ईसाई बन गये कुकी आदिवासियों के साथ बेइंतिहा जुल्म ढाये गये। उनके घरों को जलाया गया, दो महिलाओं को नग्न कर उनकी परेड निकाली गयी, हजारों बेदखल हो गये। फिर भी इस धर्म के अनुयायियों के साथ लगाव का दावा करने वाले मोदी चुप रहे। संक्षिप्त सा, कुछ मिनटों के लिये वे बोले भी तो इसलिये क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने चेतावनी दी कि अगर उनकी सरकार ने कुछ न किया तो वह खुद कोई कार्रवाई करेगी। यह किसी भी राष्ट्राध्यक्ष के लिये बहुत शर्म की बात होगी कि इसकी गूंज पूरी दुनिया में सुनी गई। भारत में धार्मिक स्वतंत्रता को बड़ा खतरा बताया गया और इस सूचकांक पर विश्व इंडेक्स में देश की बड़ी फिसलन दर्ज हुई है। यूरोपीय संघ ने इसके खिलाफ आवाज उठाई और मोदी से उनकी अमेरिका यात्रा के दौरान सवाल किये गये। यह अलग बात है कि उन्होंने इसका गोलमोल उत्तर दिया और इस पर तो आश्वासन तक नहीं दिया जब उनसे पूछा गया कि क्या वे इस बाबत कोई कार्रवाई करेंगे। वैसे भी मोदी सहित उनके पूरे वैचारिक कुनबे को भारत की धर्मनिरपेक्ष छवि, आजादी के बाद से देश की घोषित धर्मनिरपेक्षता की नीति तथा समावेशी चरित्र पर हमेशा से आपत्ति रही है। मुस्लिम एवं ईसाई उनकी आंखों में विशेष रूप से खटकते हैं। ये दो समुदाय ही मोदी शासन काल में सर्वाधिक निशाने पर आये हैं जिसे लेकर उनकी सरकार ने कभी कोई कड़े कदम नहीं उठाये। इससे साफ संदेश गया है कि इन पर होने वाली हिंसा, उत्पीड़न और अत्याचार सरकार पोषित–समर्थित है। मोदी को अगर ईसाई समुदायय और पहले जैसा वे कह चुके हैं, मुस्लिम भी– तो इन दोनों की सुरक्षा व उनके विकास की जिम्मेदारी उन्हें दिखने लायक उठानी होगी। जुबानी जमा–खर्च से काम नहीं चलेगा। शायद मोदी का यह बयान एक ओर अंतरराष्ट्रीय समुदाय को संतुष्ट करने के लिये है, तो वहीं आगामी वर्ष के मध्य में होने वाले लोकसभा चुनाव के मद्देनजर वे इस समुदाय को साधने की कोशिश कर रहे हैं। वैसे उनके प्रयासों को बहुत सफलता मिलने की इसलिए उम्मीद नहीं है क्योंकि लोग देख रहे हैं कि एक ओर तो मोदी हमेशा की तरह इस समुदाय के साथ आधारहीन होकर व खुदगर्जी के चलते नाता जोड़ रहे हैं, तो दूसरी ओर उनके समविचारी कहीं सांताक्लाज के पुतले जला रहे हैं या क्रिसमस के रंग में भंग करने पर आमादा हैं। अगर यह बात सच है कि मोदी के ईसाइयों से अच्छे ताल्लुक रहे हैं तो उनकी सुरक्षा व सम्मान को बरकरार रखा जाये।

भारतीय फौज और ‘इंसानियत’

भारतीय सेना के आदर्श लक्ष्यों में से एक यह भी है कि यह इंसान और इंसानियत की रक्षा के लिए भी प्रतिबद्ध रहती है। अतः इसकी हर कार्रवाई दुश्मन के खात्मे साथ ही इंसानों के जायज हकों की रक्षा के लिए भी होती है। जम्मू–कश्मीर के सीमावर्ती क्षेत्रों में जिस तरह पाकिस्तानी आतंकवादी घुसपैठिये आकर वहां तैनात सुरक्षा बलों के जांबाज सिपाहियों को चकमा देकर भारतीय इलाकों में तबाही मचाने की कोशिशें करते रहते हैं उन्हें उनके अंजाम तक पहुंचाना सुरक्षा सैनिकों का कर्त्तव्य बनता है परन्तु इस कार्य को अन्तिम परिणिती तक पहुंचाने में यदि कोई भारतीय कश्मीरी नागरिक जुल्म का शिकार बनता है तो उसका प्रतिकार उसी तरह से होना जरूरी है जिसकी व्यवस्था हमारे संविधान में है और उसमें प्रत्येक नागरिक को जीवन जीने का मौलिक अधिकार मिला हुआ है। उसकी जिन्दगी जीने के अधिकार को कोई भी बड़ी से बड़ी ताकत नहीं छीन सकती। विगत गुरुवार को जम्मू–कश्मीर के पुंछ क्षेत्र में पाक घुसपैठियों ने घुसकर भारतीय सीमाओं की रक्षा कर रहे चार सुरक्षा सैनिकों की हत्या कर डाली और उनकी पकड़–धकड़ करने की मुहीम के चलते सेना ने आठ नागरिकों को शक के घेरे में लेकर उनसे कड़ी पूछताछ की। ऐसा आरोप लगाया जा रहा है कि इनमें से तीन की पूछताछ के दौरान मृत्यु हो गई और पांच अन्य गंभीर रूप से जख्मी हो गये जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। इन्ही जख्मी पांच नागरिकों में से एक 52 वर्षीय मोहम्मद अशरफ ने कहा है कि उसके साथ चार अन्य नागरिकों को भी सेना के अफसरों ने अपनी गिरफ्त में लिया और उन्हें नंगा करके लाठी व सरियों से पीटा गया तथा उनके जख्मों पर मिर्ची मली गई। इन पांचों को घुसपैठियों से सेना की हुई मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया था जिसमें चार वीर सैनिकों की शहादत हुई थी। इसके बाद की सैनिक पूछताछ के दौरान तीन अन्य गिरफ्तार किये गये नागरिकों के शव भी मिले।

इससे न केवल जम्मू–कश्मीर में बल्कि पूरे देश में ही बेचौनी का वातावरण पैदा हो गया और सेना के मुख्यालय ने पूरे मामले की अपने सैनिक तन्त्र के भीतर न्यायिक जांच कराने के आदेश दिये तथा एक ब्रिगेडियर समेत तीन आला फौजी अफसरों को उनकी मौजूदा ड्यूटी से हटने के आदेश जारी किये। मामले ने इस कदर गंभीर रुख लिया कि फौज के जनरल मनोज पांडे को भी पुंछ सैनिक क्षेत्र का दौरा करके आश्वासन देना पड़ा कि पूरे वाकये की बाकायदा पक्की जांच कराई जायेगी और जो भी दोषी पाया जायेगा उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जायेगी। अब यह समझा जा रहा है कि 27 दिसम्बर को रक्षामन्त्री श्री राजनाथ सिंह भी पुंछ क्षेत्र का दौरा करेंगे और स्थिति का जायजा लेंगे। रक्षामन्त्री की जिम्मेदारी सीमाओं की सुरक्षा की होती है और इस काम में देश के हर नागरिक का समर्थन उनके साथ होता है। जम्मू–कश्मीर के सन्दर्भ में यह दायित्व और भी अधिक संवेदनशीलता के साथ यहां के नागरिक निभाते आ रहे हैं और यह सिद्ध करते आ रहे हैं कि वे कश्मीरी भले ही हों मगर भारत के सम्मानित नागरिक भी हैं। पाकिस्तान के इस्लामी हुक्मरानों की लाख साजिशों के बावजूद उनकी वफादारी हमेशा भारत के साथ रही है और जब भी पाकिस्तान की नामुराद फौजों ने भारत पर हमला करने की कोशिश की है तो उसकी हरकतों के बारे में भारतीय सेना को पहली खबर भी उन्होंने ही दी है। अतः न केवल कश्मीर भारत का है बल्कि हर कश्मीरी भी भारत का वैसा ही सम्मानित नागरिक है जैसा कि देश के अन्य किसी राज्य उत्तर प्रदेश या तमिलनाडु का। अब 370 हटने के बाद तो भारत का पूरा संविधान इकसार तरीके से हर कश्मीरी पर लागू होता और उसके अधिकार व हक भी इसके अनुसार ही उसे मिलते हैं। अतः यदि किसी कश्मीरी नागरिक के साथ अन्याय हुआ है तो उसे न्याय हर हालत में मिल कर ही रहेगा। श्री राजनाथ के पुंछ दौरे के पीछे का उद्देश्य भी यही लगता है।

हमें यह भी अच्छी तरह मालूम है कि पाकिस्तान किस तरह जम्मू–कश्मीर में भारतीय सेना की मौजूदगी को लेकर अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत के खिलाफ जहर उगलता रहा है। हालांकि अब पूरी दुनिया के सामने यह साफ हो चुका है कि पाकिस्तान ही पूरी दुनिया में ऐसा मुल्क है जिसे दहशतगर्दों की जरखेज जमीन कहा जाता है परन्तु पूर्व में भारत के भीतर भी कुछ गैर सरकारी संगठन कश्मीर में सेना द्वारा मानवीय अधिकारों के उल्लंघन का मसला उठाने की कोशिश करते रहे हैं जिसका जवाब भी पूर्व में ही हमारी सेना के भीतरी न्यायिक तन्त्र द्वारा बखूबी दिया जाता रहा है और किसी भी दोषी पर रहम फरमाने की मेहरबानी कभी नहीं की गई है लेकिन इसके साथ यह भी हकीकत है कि कश्मीर में ही कुछ पाक समर्थक माने जाने वाली तंजीमें हमारे सैनिकों को खलनायक के तौर पर पेश करने तक से भी बाज नहीं आती रही हैं। बेशक 370 हटने से माहौल बदला है मगर इसका मतलब यह भी नहीं है कि नागरिकों के सन्दर्भ में सेना की किसी भी कोताही को सेना का खुद का तन्त्र और सरकार बर्दाश्त कर सकती है।

हर नागरिक का न्याय पाना भी मौलिक अधिकार होता है। इसी वजह से फौज खुद तीन नागरिकों की मृत्यु के बारे में बहुत संजीदा नजर आती है और दुनिया को यह सन्देश देना चाहती है कि भारत की फौजें केवल विश्व के विभिन्न अशान्त क्षेत्रों में ही शान्ति कायम करने के लिए नहीं बुलाई जाती है बल्कि अपने देश में भी वह पूरी सदाकत के साथ इस पर अमल करती हैं। हमारी फौजों का हमेशा यही गान रहा है।

राज परिवार के उत्तराधिकारी ने किया विद्यालय का भ्रमण कॉलेज प्रबंधन ने किया सम्मान

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जनपद के प्राचीनतम संस्था राजा श्रीकृष्ण दत्त इंटर कॉलेज व राजा श्रीकृष्ण दत्त महाविद्यालय प्रबंध समिति की सदस्य तथा राज परिवार जौनपुर के बारहवें नरेश राजा अवनिंद्र दत्त की ज्येष्ठ पुत्री राधिका थरेजा अपने पति रजत थरेजा के साथ विद्यालय परिसर का भ्रमण किया। जौनपुर राज्य शिक्षा समिति के नियमावली के अनुसार हवेली का उत्तराधिकारी ही जौनपुर राज्य शिक्षा समिति का उत्तराधिकारी होगा। जन चर्चाओं के अनुसार राजा जौनपुर की उत्तराधिकारी राधिका थरेजा ही होगी। उनके विद्यालय परिसर में आगमन की खबर से विद्यालय परिवार के सभी सदस्य विद्यालय परिसर में उपस्थित रहे। राज इंटर कालेज के प्रधानाचार्य संजय चौबे प्रबंधक डा सत्य राम प्रजापति ने एक सभा कर स्वागत किया। अतिथियो को पुष्पगुच्छ देकर माल्यार्पण किया, दोनो को अंगवस्त्रम व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। पूर्व प्राचार्य प्रो.अखिलेश्वर शुक्ला ने विद्यालय का संछिप्त इतिहास बताया। अशोक तिवारी ने स्वागत करते हुए कहा कि यह गौरव का क्षण है जब राज परिवार के उत्तराधिकारी हमारे बीच है। सम्मानित अतिथियों ने संस्थापक दिवस पर प्रतिभाग किए गए छात्र छात्राओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डिग्री कॉलेज के प्राचार्य डा शंभू राम ने किया। डिग्री कॉलेज में पहुंचते ही पूर्व राजा यादवेंद्र दत्त की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपने दादा किं स्मृतियों को याद किया। अपने सम्मान से अभिभूत राधिका थरेजा ने विद्यालय परिवार में बराबर आने व उसके।निरंतर विकास की चिंता किया।भविष्य में कॉलेज को और मॉडल ढंग से विकसित करने की योजना पर दिया।साथ ही बराबर विद्यालय में आने की बात कही। साथ ही विद्यालय परिवार में सबसे परिचय प्राप्त किया,। कॉलेज परिवार ने अपने उत्तराधिकारी अतिथियों का सम्मान भी किया गया। स्वागत समारोह में एनसीसी के कैडेटों की महत्वपूर्ण भूमिका रही । इस अवसर पर उप प्रबंधक जीयाराम यादव, अंजनी श्रीवास्तव, प्रेम चंद्र, रवि प्रकाश सिंह, विंदू सिंह, अशोक मिश्र, सत्य प्रकाश सिंह, विनय ओझा, बृजभूषण यादव,राम प्रताप, बृजेश मिश्र, प्रदीप कुमार, मुकेश कुमार, रमेश चन्द, सहित समस्त शिक्षक, शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डा विश्वनाथ यादव ने किया।

कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं ने हर्सोल्लास के साथ स्थापना दिवस मनाया

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर 28 दिसंबर।भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अपने गौरवशाली इतिहास के 138 वर्ष पूरा करने जा रही है। कांग्रेस ने पुरे हर्सोल्लास के साथ आज स्थापना दिवस मनाया ।

शहर अध्यक्ष विशाल सिंह हुकुम की अगुवाई में सब्जी मंडी स्थित शहर कांग्रेस कार्यालय पर कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओ ने पार्टी का ध्वज फहराकर एक दूसरे को बधाई दी। इस अवसर पर शहर अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस को अपने गौरवपूर्ण अतीत के सिंहावलोकन, वर्तमान में आत्मावलोचन और उज्ज्वल भविष्य के चिंतन की जरूरत है। आज ऐसी शक्तियां देश पर हावी हैं, जिनका लक्ष्य लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष भारत के बजाए कुछ और है और जो भारत के बहुलतावादी चरित्र को ही खत्म करना चाहती हैं। जबकि भारत विभिन्न धर्मो, संस्कृतियों, भाषाओं और समाजों का ऐसा सुंदर गुलदस्ता है, जिसमें एक साथ कई फूल खिलते हैं, कई रंग दमकते हैं। हमें मल्लिकार्जुन खड़गे जी, श्रीमती सोनिया गांधी जी तथा श्री राहुल गांधी एवं श्रीमती प्रियंका गांधी के रूप में कांग्रेस के नेतृत्व पर गर्व है, जिनका संकल्प देशहित में सेवा–भाव से काम करना है। अडिग संकल्प, स्पष्ट दिशा और मजबूत इरादों के साथ वर्तमान परिस्थितियों में कांग्रेस को मदांध सत्ता की चुनौती के सामने खड़ा होना है, ताकि आने वाले समय में हमारी नीतियों, सिद्धांतों और कार्यक्रमों की वजह से समाज के सभी वर्गों का विश्वास और समर्थन कांग्रेस को हासिल हो।

इस अवसर पर अजय सोनकर, राजकुमार गुप्ता, अमित मिश्रा, सुभाष मौर्य, निसार इलाही, संदीप सोनकर, शशांक राय, पुष्कर निषाद, अमन सिन्हा, फरहान जिलानी, आदिल, अमिष श्रीवास्तव, शब्बीर हसन बाली, गौरव मौर्या, पवनेश यादव, अली अंसारी, इकबाल आदि उपस्थित रहे !

मां शारदा इंटरमीडिएट बालिका विद्यालय खानापट्टी सिकरारा में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी

डायलसिस सिस्टम व भूकंप माडल में किया प्रभावित

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मां शारदा इंटरमीडिएट बालिका विद्यालय खानापट्टी पर गुरुवार को आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। छात्राओं ने विज्ञान से संबंधित एक से बढ़कर एक माडल प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। छात्राओं द्वारा बनाया गया चंद्रयान टू, रक्त डायलसिस, सोलर सिस्टम, पर्यावरण संरक्षण, यातायात जागरूकता से संबंधित माडल के माध्यम से लोगो को जागरूक किया।

प्रतियोगिता में आठ दर्जन से अधिक प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पर्वतारोही जितेंद्र प्रताप, महेंद्र प्रताप, गोविंदानंद व अवध बिहारी पाल के साथ

थानाध्यक्ष राजाराम द्विवेदी ने छात्राओं के हुनर को जमकर सराहा। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि छात्राओं के वैज्ञानिक सोच का विकास वक्त की जरूरत है। इसके लिए विद्यालयों में इस तरह का आयोजन बहुत जरूरी है। माउंट एवरेस्ट पर रिकार्ड बनाने वाले पर्वतारोही अतिथियों ने कार्यक्रम की जमकर सराहना करते हुए पर्यावरण प्रदूषण व ट्रैफिक नियमों के बारे में जागरूक किया। विशिष्ट अतिथि होमियोपैथी के प्रख्यात चिकित्सक डा. दुष्यंत कुमार सिंह ने कहा कि छात्राओं में अगर विज्ञान के प्रति लगाव होगा तो आगे चलकर वह अपनी इस प्रतिभा से समाज के लिए बहुत कुछ कर सकते है। विद्यालय के प्रबंधक जगदीश नारायण सिंह ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह, शाल व बुके देकर स्वागत किया।

इस अवसर पर रामचंद्र सिंह, श्रवण यादव, दिलीप सिंह, सुशील सिंह, अजय जायसवाल, राजकुमार जायसवाल, कार्तिकेय प्रजापति, राहुल यादव, बृजेश यादव, अंजनी उपाध्याय, जितेंद्र सिंह, कविता सिंह, अर्चना सिंह, दामिनी सिंह, विवेक मिश्र, मो. असलम, अतुल गौड़, यशवंत यादव, सौरभ सिंह, प्रवीन सिंह ने सक्रिय भूमिका निभाई। संचालन प्रधानाचार्य शरद सिंह व आभार प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष अमित सिंह ने ज्ञापित किया।

सफलता के लिए परिश्रम करना आवश्यक- पंकज द्विवेदी

तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता उमंग का हुआ समापन

सुजानगंज जौनपुर। किसी भी क्षेत्र चाहे वह शिक्षा हो खेल हो या अन्य अपने अभीष्ट लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए कठिन परिश्रम करना आवश्यक होता है । तभी हम अपने अभीष्ट लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं उक्त उद्गार पंकज द्विवेदी जॉइंट कमिश्नर कस्टम मुंबई बतौर मुख्य अतिथि जे0पी0 इंटरनेशनल स्कूल, सुजानगंज के तीन दिवसीय खेल कूद प्रतियोगिता उमंग के समापन के अवसर पर व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीणांचल में इस प्रकार के विद्यालय की स्थापना अपने में अद्वितीय है। इसके पूर्व कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ0 उत्कर्ष द्विवेदी, रोहित कुमार मिश्रा थानाध्यक्ष सुजानगंज, दिनेश कुमार मिश्रा प्रबंधक ने भी अपने–अपने विचार व्यक्त किये। इसके पूर्व खेल में प्रतिभाग करने वालों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले बच्चों को मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ0 ज्ञानदेव द्विवेदी ने किया। संचालन विवेक कुमार मिश्रा ने किया। आए हुए अतिथियों का आभार विद्यालय के प्रबंधक डॉ0 जयप्रकाश तिवारी ने किया। तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता को सकुशल संपन्न कराने हेतु शारीरिक शिक्षक सचिन चौरसिया को विद्यालय की प्रधानाचार्य निशा किरण उपाध्यक्ष ने धन्यवाद दिया। इस अवसर पर प्रेम शंकर तिवारी, विजय शंकर तिवारी, विजय कुमार तिवारी, दया शंकर तिवारी, अंबिका प्रसाद आदि गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नवनिर्वाचित सपा जिलाध्यक्ष का कार्यकताओं में किया स्वागत

जातीय जनगणना से सबको समानुपातिक हक और सम्मान मिलेगा : राकेश

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। समाजवादी पार्टी के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष राकेश मौर्या का जिले में प्रथम आगमन पर सपा नेताओं एवं कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत किया गया पार्टी जिला कार्यालय पर पहुंचे भव्य स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम निवर्तमान जिला अध्यक्ष डॉ अवधनाथ पाल ने जिलाध्यक्ष राकेश मौर्या को माल्यार्पण, समाजवादी टोपी पहनाकर एवं पार्टी का झंडा देकर पद ग्रहण कराया ।

स्वागत समारोह को संम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष राकेश मौर्या ने कहा कि जिस आशा उम्मीद से समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने हमारे जैसे छोटे से कार्यकर्ता को जिले की कमान सौपी है मै उसे पूरी निष्ठा ईमानदारी से अपने नेताओं एवं कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर पूरा करने का काम करेंगे । समाजवादी पार्टी ही एक ऐसी पार्टी है जिसमें कार्यकर्ताओं का सबसे ज्यादा सम्मान

है मेरी प्रथम प्राथमिकता कार्यकर्ता हैं उनके मान सम्मान के खिलाफ कोई खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं करेंगे , मेरे लिए बूथ का कार्यकर्ता ही सबसे बड़ा नेता है कार्यकर्ताओं के बदौलत ही कठिन से कठिन चुनाव को जीता जा सकता है । नवनियुक्त जिलाध्यक्ष ने कहा कि 2024 का लोकसभा चुनाव संविधान और लोकतंत्र को बचाने का चुनाव है। संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए हम सभी कार्यकर्ता मिलकर भाजपा को हटायेंगे। देश में महंगाई, बेरोजगारी चरम पर है। उत्तर प्रदेश में महिलाएं और बच्चियां दुष्कर्म की शिकार सबसे ज्यादा हो रही है। किसान, व्यापारी, नौजवान, छात्र, मजदूर सभी परेशान है। भाजपा सरकार की नीतियां पूंजीपरस्त है।

श्री मौर्य ने कहा कि पीडीए ही भाजपा के एनडीए को हरायेगा। पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक भाजपा सरकार में सबसे ज्यादा उपेक्षित और प्रताड़ित है। अन्याय और अत्याचार भी इसी पीडीए पर हो रहा है। भाजपा सरकार द्वारा नौकरी में आरक्षण खत्म करने की नीयत से आउटसोर्सिंग से भर्ती की जा रही है। रोजगार छीना जा रहा है। समाजवादी पार्टी जातीय जनगणना कराने की मांग हमेशा से करती आ रही है परन्तु भाजपा सरकार जातीय जनगणना नहीं कराना चाहती है। जातीय जनगणना से सबको समानुपातिक हक और सम्मान मिलेगा स्वागत समारोह में मुख्य रूप से विधायक तूफानी सरोज, लकी यादव, पूर्व विधायक लल्लन प्रसाद यादव,शैलेंद्र यादव ललई,लालबहादुर यादव, राजनरायण बिन्द,दीपचंद सोनकर, राजबहादुर यादव,यशवंता यादव,डा०शरफराज,संजय सरोज,हिसामुद्दीन शाह,राजन यादव, श्रवण जयसवाल, पूनम मौर्या, राहुल त्रिपाठी,रुक्सार अहमद,डा० जितेन्द्र यादव,श्याम बहादुर पाल,प्रभाकर मौर्या दीपचंद राम,राजेन्द्र यादव,नीरज पहलवान,विरेन्द्र यादव, कमाल आजमी गप्पू मौर्या,मनोज मौर्या भानुप्रताप यादव, गुड्डू सोनकर,,दिनेश फौजी, राजवीर यादव ऋषि यादव, गौरी सोनकर,पंकज मिश्रा,भारत यादव, अनील दूबे कलीम अहमद, तारा त्रिपाठी, शबनम नाज,राना यादव, अमित यादव आदि स्वागत समारोह की अध्यक्षता डा०अवधनाथ पाल ने किया संचालन आरीफ हबीब ने किया।

भारत हस्तशिल्प महोत्सव 20 जनवरी से 2024 से 5 फरवरी 2024 तक कांशीराम स्मृति उपवन लखनऊ में होगा।

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

लखनऊ। प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट के तत्वावधान में 20 जनवरी 2024 से 05 फरवरी 2024 तक 17 दिवसीय श्भारत हस्तशिल्प महोत्सव–2024श का आयोजन कांशीराम स्मृति उपवन, आशियाना लखनऊ में होगा। उक्त के सबंध में आज सेक्टर–ओ पोस्टल ग्राउन्ड, निकट केंद्रीय विद्यालय अलीगंज में प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट के अध्यक्ष विनोद कुमार सिंह ने प्रेसवार्ता में दी।

विनोद कुमार सिंह ने बताया कि भारत हस्तशिल्प महोत्सव मे इस बार घर घर पधारो राम की थीम पर समर्पित होगा भारत हस्तशिल्प महोत्सव । प्रथम दिन 20 जनवरी से ही पूरे महोत्सव को अयोध्या धाम की तर्ज पर राम–मय बनाया जाएगा । महोत्सव के माध्यम से देशवासियो को यह संदेश दिया जाएगा कि 22 जनवरी को अपने अपने घरों में राम मन्दिर को सजाए और पूजा अर्चना करें ।

28 राज्यों उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, महाराष्ट्र, उत्तराखण्ड, पंजाब, ओडिशा, मध्य प्रदेश, गुजरात, झारखंड, जम्मू–कश्मीर, हिमांचल प्रदेश, हरियाणा, गोवा, छत्तीसगढ़, आंध्रप्रदेश, असम, मेघालय, मणिपुर, तमिलनाडु एवं 8 केन्द्र शासित प्रदेशों अण्डमान निकोबार, दादर नगर हवेली, दमन और दीव, लक्ष्यद्वीप, चंडीगढ़, दिल्ली और पांडिचेरी की कला संस्कृति, पर्यटन, हस्त शिल्प, देशी उत्पाद, वस्त्र, फर्नीचर, मसाले, हैण्डलूम हैण्डी क्राफ्ट, आटोमोबाइल, बैंकिंग, के स्टाल आकर्षण का केन्द्र होंगे।

उन्होने बताया कि भारत हस्तशिल्प महोत्सव में केंद्र सरकार के वस्त्र मंत्रालय हैण्डीक्राफ्ट, संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग उ.प्र. और नाबार्ड की सहभागिता के साथ उत्तर प्रदेश सरकार के हस्तशिल्प विपणन प्रोत्साहन योजना भी फलीभूत होगी।

श्री सिंह ने बताया कि संस्था के फेसबुक पर देश विदेश के लोगों को भारत हस्तशिल्प महोत्सव से जोड़ा जा रहा है। इसके अलावा महोत्सव से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के लिए भारत महोत्सव के फेसबुक लिंक का प्रयोग सजीव प्रसारण के लिए किया जायेगा।

विनोद कुमार सिंह ने बताया कि 20 जनवरी 2024 से 5 फरवरी 2024 तक होने वाले 17 दिवसीय भारत हस्तशिल्प महोत्सव मे निःशुल्क भारत टैलेण्ट हण्ट–2024 का आयोजन किया जायेगा, इसके तहत बच्चों व युवाओं की गायन, नृत्य, वादन, किड्स मॉडलिंग, मेंहदी, रंगोली, कबाड़ से जुगाड़, सिलाई, चित्रकला, निबंध लेखन, साइकिल रेस, खो–खो, कबड्डी, मिस्टर मिस और मिसेज भारत प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा।

प्रेसवार्ता में प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट के उपाध्यक्ष एन.बी. सिंह ने बताया कि भारत हस्तशिल्प महोत्सव–2024 में भारत के 28 राज्यों और 8 केन्द्र शासित प्रदेशों के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली अनेक विभूतियों को भारत हस्तशिल्प महोत्सव रत्न सम्मान से सम्मानित किया जायेगा, जिसमें सभी वर्गों को शामिल किया जायेगा।

उन्होंने बताया कि भारत हस्तशिल्प महोत्सव–2024 की सांस्कृतिक संध्या में रोजाना भारत के विभिन्न राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के लोक नृत्य और लोक गायन के कार्यक्रम जैसे उत्तर प्रदेश का ख्याल नृत्य, रास नृत्य, झूला नृत्य, मयूर नृत्य, धोबिया नृत्य, चरकुला नृत्य, कठफोड़वा नृत्य, जोगिनी नृत्य, आल्हा ऊदल गायन, राजस्थान का धूमर नृत्य, कालबेलिया नृत्य, तेराताली नृत्य, गेर नृत्य, पंजाब का गिद्दा–भांगड़ा, हरियाणा का झूमर नृत्य, बिहार का जाट जाटिन नृत्य, झारखंड का फगुआ नृत्य, करमा नृत्य, महारास्ट्र का लावणी नृत्य, दसावतार और डिंडी नृत्य, गुजरात का

गरबा नृत्य के साथ अन्य राज्यों के लोक नृत्य और लोक गायन के कार्यक्रम होंगे। इसके अलावा कवि सम्मेलन, मुशायरा, जादू, कठपुतली, बिरहा और आल्हा के कार्यक्रम होंगें। एन बी सिंह ने बताया कि भारत हस्तशिल्प महोत्सव में बच्चों और युवाओं के लिए आकर्षक झूलों के साथ घोड़े और ऊँट को सवारी की भी व्यवस्था की गई है। लोगों की सुरक्षा के लिए पूरे महोत्सव परिसर और परिसर के बाहर हर स्थान पर सुरक्षा की दृष्टि से सी सी टीवी कैमरे लगाये जायेगे। महोत्सव के सभी प्रवेश द्वारों पर मेटल डिटेक्टर और सुरक्षा गार्डों द्वारा सघन जांच के बाद ही लोगों को प्रवेश की अनुमति होगी। इसके अलावा महोत्सव स्थल पर अस्थाई पुलिस चौकी भी प्रशासन के सहयोग से होगी।

मित्तल परिवार द्वारा भागवत कथा का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सर्वोदय नगर स्थित विंध्यवासिनी होटल मे 28–12–2023 से 03–01–2024 तक साप्ताहिक भागवत कथा का आयोजन रिसिया बहराईच के मित्तल परिवार द्वारा किया जा रहा है। कथा का शुभारंभ आचार्य उमेश कुमार मिश्रा द्वारा किया गया। इससे पहले आज परिवार और मित्रों ने कलश यात्रा में हिस्सा लिया।

भागवत कथा प्रतिदिन शाम 3 बजे से प्रारंभ होकर शाम 7 बजे तक चलेगी। सभी मित्र बंधुओं से अनुरोध है कि कथा का श्रवण कर आनंद उठाये।

डीजी फायर व आपात सेवा ने पीएम के कार्यक्रम स्थल का किया निरीक्षण

अयोध्या। तीस दिसंबर को श्री राम इंटरनेशनल एयरपोर्ट अयोध्या व अयोध्या धाम जंक्शन के उद्घाटन कार्यक्रम की तैयारियो को लेकर महानिदेशक अग्निशमन व आपात सेवा अविनाश चंद्र ने आकर कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने मुख्य अग्निशमन अधिकारी एमपी सिंहद्द, एयरपोर्ट अथारिटी,आर सी एस कर्मियों व अन्य अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक कर आवश्यक

निर्देश दिए। महानिदेशक अग्निशमन व आपात सेवा अविनाश चंद्र ने सबसे पहले आकर श्री राम इंटरनेशनल एयरपोर्ट अयोध्या का रनवे,रोड शो स्थल,अयोध्या धाम जंक्शन,राम जन्मभूमि परिसर व राम जन्मभूमि परिसर में स्थित फायर स्टेशन आदि का निरीक्षण किया।इस मौके पर महानिदेशक अग्निशमन तथा आपात सेवा अविनाश चन्द्र, मुख्य अग्निशमन अधिकारी अयोध्या एम0पी0सिंह,प्रभारी फायर स्टेशन प्रदीप कुमार पाण्डेय,प्रभारी फायर स्टेशन एयरपोर्ट सुधीर यादव, ए0ए0आई0 विभाग के सन्तोष व अन्य अधिकारी व कर्मी मौजूद रहे।

प्रदेश में पर्यटन स्थलों पर 4.89 करोड़ रूपये साइनेज लगाने हेतु स्वीकृत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि ईको पर्यटन की अपार सम्भावनाओं को देखते हुए राज्य सरकार पर्यटक सुविधाओं का लगातार विस्तार कर रही है। पर्यटन सेक्टर में हितग्राहियों एवं इससे जुड़े हुए लोगों को आकर्षित करने के लिए नई पर्यटन नीति के तहत तमाम सुविधाएं मुहैया करा रही है।

अक्षत पूजन के बाद विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं को कलश देकर रवाना कर दिया गया

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)। राम जानकी मंदिर शाहाबाद में संघ पदाधिकारी श्रीमान डॉ विक्रम सिंह जी श्रीमान संजय मोदी जी प्रवीण जी अजय जी अनूप जी द्वारा कलश वितरण और अक्षत पूजन का भव्य कार्यक्रम हुआ। रामलला के दरबार में विधिविधान पूर्वक अक्षत भरे कलशों की पूजा की गई। इसके बाद पूजित कलश नगर ब प्रखंड शाहाबाद आए विहिप के कार्यकर्ताओं को दिए गए। पूजित अक्षत नगर गांवों में यहां से भेजे गए। अक्षत पूजन के बाद विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं को कलश देकर रवाना कर दिया गया 1៩1៩ 2024 से हर घर हर गांव जाकर प्रभु राम की नगरी अयोध्या आने का निमंत्रण देंगे पूजित अक्षत देश के पांच लाख गांवों में ले जाए जाएंगे। इसी क्रम में शाहाबाद के प्रखंड और नगर में अक्षत वितरण किए जाएंगे विश्व हिंदू परिषद अशोक गुप्ता ने राम भक्तों से अपील की कि 22 जनवरी को जब रामलला अपने घर में विराजेंगे, उस दिन पांच करोड़ परिवारों में दिवाली मनाई जानी चाहिए। 11 बजे के पहले गांव के मंदिर में एकत्रित होंगे। अयोध्या से दूरदर्शन सुबह से ही लाइव प्रसारण करेगा। कार्यक्रम मंदिर केंद्रित होना चाहिए। चौक–चौराहों को बाधित नहीं करना है। प्राण प्रतिष्ठा पूरी होने के बाद आरती करें। शंख बजाएं। 22 जनवरी को भारत के पांच लाख मंदिरों के चारों ओर आनंदोत्सव होना चाहिए। शाम 6रू15 बजे जब अंधेरा हो जाए तो सभी अपने घरों में दीप जलाएं। राम जानकी मंदिर शाहाबाद में संघ से डॉ विक्रम सिंह, संजय मोदी प्रवीण अजय अनूप बृहस्पतिवार को अक्षत पूजन का भव्य कार्यक्रम हुआ। रामलला के दरबार में विधिविधान पूर्वक अक्षत भरे कलशों की पूजा की गई। इसके बाद पूजित कलश नगर ब प्रखंड शाहाबाद आए विहिप के कार्यकर्ताओं को दिए गए। पूजित अक्षत नगर गांवों में यहां से भेजे गए। अक्षत पूजन के बाद विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं को कलश देकर रवाना कर दिया गया। 1 जनवरी 2024 से हर घर हर गांव जाकर प्रभु राम की नगरी अयोध्या आने का निमंत्रण देंगे। पूजित अक्षत देश के पांच लाख गांवों में ले जाए जाएंगे। इसी क्रम में शाहाबाद के प्रखंड और नगर में अक्षत वितरण किए जाएंगे विश्व हिंदू परिषद अशोक गुप्ता ने राम भक्तों से अपील की कि 22 जनवरी को जब रामलला अपने घर में विराजेंगे, उस दिन पांच करोड़ परिवारों में दिवाली मनाई जानी चाहिए। 11 बजे के पहले गांव के मंदिर में एकत्रित होंगे। अयोध्या से दूरदर्शन सुबह से ही लाइव प्रसारण करेगा। कार्यक्रम मंदिर केंद्रित होना चाहिए। चौक–चौराहों को बाधित नहीं करना है। प्राण प्रतिष्ठा पूरी होने के बाद आरती करें। शंख बजाएं। 22 जनवरी को भारत के पांच लाख मंदिरों के चारों ओर आनंदोत्सव होना चाहिए। शाम 6रू15 बजे जब अंधेरा हो जाए तो सभी अपने घरों में दीप जलाएं। शिवम सिंह पिंटू पांडे गोपाल गुप्ता अशोक गुप्ता सुबीन गुप्ता रोहित बजरंगी अंकुर सिंह मनीष कुमार अमित कश्यप कुलदीप श्रीवास्तव पवन हिंदू पारस शिवम राहुल राठौड़ राजा वाल्मीकि राहुल वाल्मीकि सुमित रविंदर नार्वेस पंकज भारती सूरज कार्यक्रम में मौजूद रहे।

भारत हस्तशिल्प महोत्सव 20 जनवरी से 2024 ने 5 फरवरी 2024 तक कांशीराम स्मृति उपवन लखनऊ में होगा।

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट के तत्वावधान में 20 जनवरी 2024 से 05 फरवरी 2024 तक 17 दिवसीय श्भारत हस्तशिल्प महोत्सव–2024श का आयोजन कांशीराम स्मृति उपवन, आशियाना लखनऊ में होगा। उक्त के सबंध में आज सेक्टर–ओ पोस्टल ग्राउन्ड, निकट केंद्रीय विद्यालय अलीगंज में प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट के अध यक्ष विनोद कुमार सिंह ने प्रेसवार्ता में दी।

विनोद कुमार सिंह ने बताया कि भारत हस्तशिल्प महोत्सव में इस बार घर घर पधारो राम की थीम पर समर्पित होगा भारत हस्तशिल्प महोत्सव। प्रथम दिन 20 जनवरी से ही पूरे महोत्सव को अयोध्या धाम की तर्ज पर राम–मय बनाया जाएगा। महोत्सव के माध्यम से देशवासियो को यह संदेश दिया जाएगा कि 22 जनवरी को अपने अपने घरों में राम मन्दिर को सजाए और पूजा अर्चना करें।

28 राज्यों उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, महाराष्ट्र, उत्तराखण्ड, पंजाब, ओडिशा, मध्य प्रदेश, गुजरात, झारखंड, जम्मू–कश्मीर, हिमांचल प्रदेश, हरियाणा, गोवा, छत्तीसगढ़, आंध्रप्रदेश, असम, मेघालय, मणिपुर,तमिलनाडु एवं 8 केन्द्र शासित प्रदेशों अण्डमान निकोबार, दादर नगर हवेली, दमन और दीव, लक्ष्यद्वीप, चंडीगड, दिल्ली और पांडिचेरी की कला संस्कृति, पर्यटन, हस्त शिल्प, देशी उत्पाद, बख्ख, फर्नीचर, मसाले, हैण्डलूम हैण्डी क्राफ्ट, आटोमोबाइल, बैंकिंग, के स्टाल आकर्षण का केंन्द्र होंगे।

उन्होने बताया कि भारत हस्तशिल्प महोत्सव में केंद्र सरकार के बन्ध मंत्रालय हैण्डीक्राफ्ट, संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग उ.प्र. और नाबार्ड की सहभागिता के साथ उत्तर प्रदेश सरकार के हस्तशिल्प विपणन प्रोत्साहन योजना भी फलीभूत होगी।

श्री सिंह ने बताया कि संस्था के फेसबुक पर देश विदेश के लोगों को भारत हस्तशिल्प महोत्सब से जोड़ा जा रहा है। इसके अलावा महोत्सव से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने के लिए भारत महोत्सव के फेसबुक लिंक का प्रयोग सजीव प्रसारण के लिए किया जायेगा।

विनोद कुमार सिंह ने बताया कि 20 जनवरी 2024 से 5 फरवरी 2024 तक होने वाले 17 दिवसीय भारत हस्तशिल्प महोत्सब में निःशुल्क भारत टैलेण्ट हण्ट–2024 का आयोजन किया जायेगा, इसके तहत बच्चों व युवाओं की गायन, नृत्य, बादन, किड्स मॉडलिंग, मेंहदी, रंगोली, कवाड़ से जुगाड़, सिलाई, चित्रकला, निबंध लेखन, साइकिल रेस, खो–खो, कबड्डी, मिस्टर मिस और मिसेज भारत प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा।

प्रेसवार्ता में प्रगति पर्यावरण संरक्षण ट्रस्ट के उपाध्यक्ष एन.बी. सिंह ने बताया कि भारत हस्तशिल्प महोत्सव– 2024 में भारत के 28 राज्यों और 8 केन्द्र शासित प्रदेशों के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली अनेक विभूत्तियों को भारत हस्तशिल्प महोत्सब रत्न सम्मान से सम्मानित किया जायेगा, जिसमें सभी वर्गों को शामिल किया जायेगा।

उन्होंने बताया कि भारत हस्तशिल्प महोत्सव–2024 की सांस्कृतिक संध या में रोजाना भारत के विभिन्न राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के लोक नृत्य और लोक गायन के कार्यक्रम जैसे उत्तर प्रदेश का ख्याल नृत्य, रास नृत्य, झूला नृत्य, मयूर नृत्य, ध ोबिया नृत्य, चरकुला नृत्य, कठफोड़वा नृत्य, जोगिनी नृत्य, आल्हा ऊदल गायन, राजस्थान का घूमर नृत्य, कालबेलिया

नृत्य, तेराताली नृत्य, गेर नृत्य, पंजाब का गिद्दा–भांगड़ा, हरियाणा का झूमर नृत्य, बिहार का जाट जाटिन नृत्य, झारखंड का फगुआ नृत्य, करमा नृत्य, महारास्ट्र का लावणी नृत्य, दसावतार और हिंडी नृत्य, गुजरात कागरबा नृत्य के साथ अन्य राज्यों के लोक नृत्य और लोक गायन के कार्यक्रम होंगे। इसके अलावा कवि सम्मेलन, मुशायरा, जादू, कठपुतली, बिरहा और आल्हा के कार्यक्रम होंगें।

एन बी सिंह ने बताया कि भारत हस्तशिल्प महोत्सव में बच्चों और युवाओं के लिए आकर्षक झूलों के साथ घोड़े और ऊँट को सवारी की भी व्यवस्था की गई है। लोगों की सुरक्षा के लिए पूरे महोत्सव परिसर और परिसर के बाहर हर स्थान पर सुरक्षा की दृष्टि से सी सी टीवी कैमरे लगाये जायेगे। महोत्सब के सभी प्रवेश द्वारों पर मेटल डिटेक्टर और सुरक्षा गार्डों द्वारा सघन जांच के बाद ही लोगों को प्रवेश की अनुमति होगी। इसके अलावा महोत्सव स्थल पर अस्थाई पुलिस चौकी भी प्रशासन के सहयोग से होगी।

विद्यार्थियों के लिए वरदान से कम नहीं है डिजिटल लाइब्रेरी-- विधायक ताहिर खान

सुलतानपुर। आज के दौर में डिजिटल लाइब्रेरी विद्यार्थियों के विकास के लिए किसी वरदान से काम नहीं है डिजिटल लाइब्रेरी एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जहां बच्चे अपनी जिज्ञासा और जरूरत के अनुरूप पढ़ाई कर सकते हैं यह डिजिटल युग की ही देन है कि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चे भी प्रतियोगी परीक्षाओं के विषय में सोचने लगे हैं और स्वाध्याय से बड़े पदों पर पहुंच भी रहे हैं उक्त बातें बाल्डी रहे क्षेत्र में संचालित राममिलन शालिग्राम ज्ञानोदय इंटर कॉलेज में स्थापित ज्ञानोदय डिजिटल लाइब्रेरी के उद्घाटन मौके पर इसौली विधायक पूर्व सांसद ताहिर खान ने कहीं।

ज्ञात हो कि विद्यालय परिवार में बच्चों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए प्रतियोगी परीक्षाओं के दृष्टिकोण से ज्ञानोदय डिजिटल लाइब्रेरी अनलिमिटेड वाईफाई से युक्त बेहतरीन सुविधा के साथ स्थापित कराई जिसका उद्घाटन विधायक इसौली मोहम्मद ताहिर खान ने किया बच्चों को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संघ चालक डॉक्टर अवधेश त्रिपाठी ने भी संबोधित करते हुए बताया कि डिजिटल लाइब्रेरी से आप बड़ी से बड़ी परीक्षा की तैयारी कर सकते हैं और गांव में रहकर भी चपरासी बाबूगिरी से ऊपर बड़े पदों के लिए सोच सकते हैं और अपने सपने को साकार कर सकते हैं इस मौके पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य व ब्लॉक अध्यक्ष बृजेश यादव,बद्री प्रसाद यादव,सतीश कुमार यादव, डॉक्टर जहीर खान,इमरान खान,शिव प्रसाद मौर्या,बी डी सी तनवीर अहमद मथुरा प्रसाद यादव लाइब्रेरी के संचालक रामराज शर्मा सहित तमाम गणमान्य लोग लोग मौजूद रहे। विद्यालय के प्रधानाचार्य कामराज शर्मा तुकांत ने डिजिटल लाइब्रेरी की स्थापना के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए सभी का स्वागत वंदन करके आभार व्यक्त किया।

अशासकीय सहायता प्राप्त इण्टर कालेजों के प्रधानाचार्यो के हाथ रंगे हुए हैं एम डी एम के गोलमाल में

हरदोई। जिला बेसिक शिक्षा अधि ाकारी, खण्ड शिक्षा अधिकारियों ,उपजिलाधिकारियों,जिला विद्यालय निरीक्षक एवं मिड डे मील कोऑर्डिनेटर्स की उदासीनता के कारण मध्यान्ह भोजन योजना, अशासकीय सहायता प्राप्त इण्टर कालेजों के प्रधानाचार्यों की अवैध कमाई का जरिया बन गई है।मध यान्ह भोजन योजना का कुछ ऐसा हाल, बच्चे बेहाल और बिचौलिए मालामाल हो गए हैं।

सरकार बच्चों को दोपहर का भोजन मुहैया करा रही है। परंतु असलियत तो यह है कि अन्य सरकारी योजनाओं की तरह मिड डे मील (एमडीएम) योजना भी भ्रष्टाचार की शिकार है।

प्रधानाचार्यों के भ्रष्टाचार के बाद बच्चों को कैसा भोजन मिलता होगा, यह आसानी से समझा जा सकता है।

मिड डे मील योजना से बच्चों की जगह बिचौलिए हृष्ट पुष्ट हो रहे हैं।

पूरी की पूरी योजना एक बड़े गोलमाल की भेंट चढ़ गई है। हद तो यह है कि इण्टर कालेजों के प्रध ाानाचार्यों के हाथ भी एमडीएम के गोलमाल में रंगे हुए हैं।

विगत वर्षों में मध्यान्ह भोजन योजना के अंतर्गत खाना खाने से बीमार होने के दर्जनों मामले सामने आए और इनमें से अधिकांश मामले इण्टर कालेजों के कक्षा 06 से कक्षा 08 के बच्चों से जुड़े थे।

लेकिन बेसिक शिक्षा अधिकारी इन एडेड इण्टर कालेजों के प्रधानाचार्यों पर इस हद तक मेहरबान रहे हैं कि अशासकीय सहायता प्राप्त इण्टर कालेजों में कोई बेसिक शिक्षा अधि ाकारीध खंड शिक्षा अधिकारी जांच करना भी जरूरी नहीं समझता।

जिसके कारण इण्टर कालेजों के प्रधानाचार्यों ने फल एवं दूध का वितरण किए बिना ही एम डी एम की धनराशि का गबन कर रहे हैं।

इसके अलावा जिम्मेदार पर्याप्त ध ानराशि मिलने के बाद भी भ्रष्टाचार करने से नहीं चूक रहे हैं। इस कारण बच्चे घटिया खाना खाने से बीमार पड़ रहे हैं।

एम डी एम में भ्रष्टाचार के कारण आईवीआरएस सिस्टम के भी फूल रहे हाथ पांव।

एमडीएम के आंकड़ों की बाजीगरी को रोकने के लिए जून 2010 में आईवीआरएस (इंटरेक्टिव वॉयस रिस्पांस सिस्टम) की शुरुआत की गई ।

इस दैनिक अनुश्रवण प्रणाली का मकसद प्रदेश के प्राथमिक और उच्च प्राथमिक स्कूलों एवं राजकीय एवं एडेड इण्टर कालेजों में प्रतिदिन एमडीएम ग्रहण करने वाले बच्चों की संख्या की सही जानकारी हासिल करना था।टेक्नॉलॉजी के आधार पर कंप्यूटर और मोबाइल फोन के इंटरफेस के आधार पर इस प्रणाली से हर कार्य दिवस पर स्कूल के प्रध ाानाध्यापक, अध्यापक और शिक्षामित्र का मोबाइल नंबर जुड़ा रहता है, जिससे ऑटोमेटिक कॉल इनके नंबर जाती है और एमडीएम ग्रहण करने वाले बच्चों की संख्या पूछी जाती है।

इसके उत्तर में मोबाइल से अंक टाइप करके उत्तर देना होता है। खाना न बनने की स्थिति में शून्य दबाकर उत्तर देना होता है।

इस सिस्टम से जनपदवार एक रियल टाइम रिपोर्ट बनाई जाती है।

लेकिन अब भ्रष्टाचार के चलते इस व्यवस्था के भी हाथ पांव फूलने लगे हैं। इसके चलते अब बेसिक शिक्षा विभाग पंजीकृत स्टूडेंट्स का आधार नंबर दर्ज करने की व्यवस्था कर रहा है।

मध्यान्ह भोजन में आईवीआरएस सिस्टम को बैकअप देने के उद्देश्य से बेसिक एवं माध्यमिक स्कूलों के बच्चों को आधार के जरिए जोडने का जिम्मा यूपी डेस्को को दिया गया।

लेकिन सॉफ्टवेयर की तकनीकी दिक्कतों के कारण अभी इस योजना को अमली जामा नहीं पहनाया जा सका है।

सरकार की ओर से सरकारी स्कूल में सभी बच्चों को मध्यान्ह भोजन दिया जाता है, ताकि स्कूल में बच्चे रोजाना आयें और उन्हें पर्याप्त पोषण मिलता रहे. इसकी के लिए सरकार ने मिड डे मील योजना की शुरुआत की है. इस योजना के तहत सरकार बच्चों को शिक्षा के साथ ही स्वास्थ और पोषित बनाना चाहती है,परंतु भ्रष्ट राजकीय एवं एडेड माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों ने एम डी एम को अपनी अवैध कमाई का जरिया बना लिया है।

फलस्वरूप अभिभावकों और छात्रों में इण्टर कालेजों के प्रधानाचार्यों के प्रति घोर असंतोष व्याप्त हो गया।

आलोक बने श्री कृष्ण जन्म भूमि मुक्तिदल के जिला महामंत्री

आशीष गुप्ता को जिला संयोजक, कर्ण सिंह राणा को युवा संघठन मंत्री, मंजू गुप्ता जिला सह प्रभारी की कमान

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)। हरदोई जनपद के प्रमुख अंतराष्ट्रीय धार्मिक संघठन श्री कृष्ण जन्म भूमि मुक्ति दल के जिला प्रमुख अविनाश मिश्रा ने संघठन का विस्तार करते हुए हरदोई जिला निवासी प्रमुख व्यवसायी व् समाजसेवी आलोक गुप्ता को जिला महामंत्री नियुक्त किया है इसके अलावा जिला संयोजक पद पर व्यवसायी आशीष गुप्ता, युवा संघठन मंत्री पद पर दृष्टि रोग विशेषज्ञ कर्ण सिंह राणा, जिला सह प्रभारी महिला पद पर अनन्य श्याम भक्त मंजू गुप्ता को मनोनीत किया है। जिला प्रमुख अविनाश मिश्रा ने उम्मीद जताई की सभी नव नियुक्त पदाधिकारी संघठन को मजबूती से आगे बढ़ाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे। जिला कार्यकारी प्रमुख गौरव अग्रवाल ने बताया की हरिशंकर जैन व् विष्णु जैन के विधि ाक नेतृत्व में चल रहे श्री कृष्ण जन्म भूमि मुक्ति दल एक बेहद शांति प्रिय संघठन के रूप में एक महत्वपूर्ण हिंदूवादी संघठन की जिम्मेदारी का निर्वाह कर रहा है तथा हरदोई जनपद के विभिन्न मंदिरो में प्रत्येक मंगलवार लगातार बत्तीस सप्ताह से हनुमान मंगल पाठ आयोजित कर रहा है ۶ इस अवसर पर जिला प्रभारी अभिषेक गुप्ता, महिला प्रकोष्ठ प्रमुख विनीता गुप्ता, सह संयोजक अपूर्व माहेश्वरी, जिला प्रवक्ता इंदु बाला शुक्ला, जिला सचिव अंजलि सिंह, जिला प्रचारक सुधा गुप्ता व् आरती गुप्ता, संघठन मंत्री संजू श्रीवास्तव, संयोजक अनीता मिश्रा व् सीमा अग्रवाल, कार्यलय मंत्री सरिता अग्रवाल, उप सचिव लक्ष्मी मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

चारों विभूतियां चिकित्सा जगत कीआन बान शान/मिला अलग अलग सम्मान

मृत्युंजय प्रताप सिंह की रिपोर्ट

24 दिसंबर दिन रविवार को लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में होम्योपैथी रिवॉल्यूशन 2023 का सफलतापूर्वक आयोजन हुआ देश के कोने–कोने से आए हजारों चिकित्सकों में से लगभग 300 से ज्यादा चिकित्सकों को अपने अपने क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए होम्योपैथी विभूषण, चिकित्सा रत्न, युवा रत्न, लाइफटाइम अचीवमेंट जैसे अवार्ड से सम्मानित किया गया।

होम्योपैथी के क्षेत्र में अति विशिष्ट योगदान के लिए चार महान हस्तियां डॉ दिनेश चंद दुबे, डॉ एस बी तिवारी कल्याण जी, डा आदर्श त्रिपाठी एवम डा सृष्टि पवार देहरादून को क्रमशः लाइव टाइम अचीवमेंट अवार्ड, होम्योपैथी विभूषण सम्मान एवम चिकित्सा रत्न से सम्मानित किया गया। डॉ दिनेश चंद दुबे कल्याणपुर मुंगेर बिहार जिन्होंने होम्योपैथिक को ग्रामीण क्षेत्रों में आम जनमानस के हृदय में विश्वास का प्रतीक बनाकर विश्वाश के प्रतीक बन चुके हैं। उनसे आम युवा चिकित्सकों को प्रेरणा लेना चाहिए। वहीं लिम्का बुक रिकॉर्डर अपना कल्याण परिवार के राष्ट्रीय संस्थापक 23000 से भी ज्यादा पथरी हजारों डायलिसिस सैकड़ों डछक जैसे अनेकों असाध्य बीमारियों को ठीक कर रिकॉर्ड स्थापित कर चुके उत्तर प्रदेश की राजधानी के साथ ही साथ देश के कोने–कोने में होम्योपैथिक की पहचान एवम विश्वास के पर्याय बन चुके विश्व विख्यात चिकित्सक डॉ एस बी तिवारी कल्याण जी ने अपने 25 साल का चिकित्सा अनुभव साझा करते हुए बताया कि आज चाहिए किडनी की समस्या हो मरीज की डायलिसिस चल रही हो मोटर न्यूरॉन डिजीज हो पथरी हो या ऐसे अनेकों असाध्य बीमारियां जहां एलोपैथी चिकित्सा पद्धति हाथ खड़ी कर लेती है हजारों लोगों को ठीक कर उसके प्रमाण के साथ प्रस्तुति देकर चिकित्सा जगत में विश्वास का पर्याय कैसे बना जा सकता है बताए ।यह युवा चिकित्सकों को जानना चाहिए। डॉ आदर्श त्रिपाठी लखनऊ के उभरते हुए युवा चिकित्सक जो अपनी ऊर्जा के लिए जाने जाते हैं इन्होंने होम्योपैथी में एक बहुत ही मुकाम स्थापित किया है आए दिन टेंपो द्वारा लोगों को जागरुक करते रहते हैं एवं होम्योपैथी के लिए सदैव समर्पित रहते हैं।

'पुलिस ने थाना क्षेत्र के टरप 10 व अन्य अपराधियों को तलब कर दिए शख्त निर्देश'

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली– (हरदोई)' पाली थाना क्षेत्र में अपराधों पर अंकुश लगाये जाने के लिए प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार राय ने गुरुवार को क्षेत्र के अपने जमाने में रहे टॉप टेन व अन्य अपराधियों को बुलाकर उन्हें सख्त निर्देश दिए कि अपराध ा करने से दूरी बनाएं रखें साथ ही क्षेत्र के बाहर से यदि कोई अपराध ाी आता है तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें। यदि इसमें किसी हिस्ट्रीशीटर अपराधी ने लापरवाही बरती तो उसके खिलाफ विधिक कार्यवाही की जायेगी ।थाना प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार राय ने बताया कि पूर्व में अपराध करने में शामिल रहे लगभग 40 अपराधि ायों को थाना परिसर पर बुलाकर उन्हें भविष्य में अपराध न करने की सौगंध खिलाई गई। और साथ ही अपराध करने वालों पर अपनी नजर बनाए रखने की शख्त हिदायत देते हुए कहा गया कि पुलिस को समय रहते सूचित करें। जिससे अपराध व अपराधियों पर अंकुश लग सके। साथ ही पुराने हिस्ट्रीशीटर रहे अपराधियों को हिदायत दी गई कि यदि उनकी कहीं पर संलिप्तता पाई गई तो उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही की जायेगी। वहीं छोटे स्तर के अपराधी इस कार्यवाही को देखकर उनके हाथ पांव फूल रहे हैं। पाली पुलिस क्षेत्र व नगर में इस समय अपनी चहल कदमी मचाए हुए हैं। उनकी इस चहल कदमी से चोर उचक्के भयभीत नजर आ रहे हैं। इस समय अपराधियों में भय व्याप्त है।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।